RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

# मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI
Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-43 ❖ मुंबई ❖ रविवार 18 से 24 अक्टूबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
दाऊद इब्राहिम पर कसा शिकंजा अब घर-खेत की होगी नीलामी

पेज 5
निक्की तंबोली से छिन सकता है 'कंफर्म' स्टेटस? बिग बॉस ने सिद्धार्थ शुक्ला को बुलाया

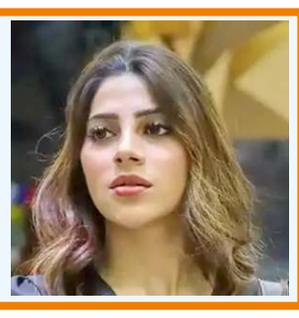

पेज 7
प्रभास की फिल्म राधे-श्याम का मोशन पोस्टर इस खास दिन पर होगा रिलीज, मेकर्स ने किया ऐलान

पेज 8
जो प्राप्त है, सो पर्याप्त है -पूज्य मोरारी बापू

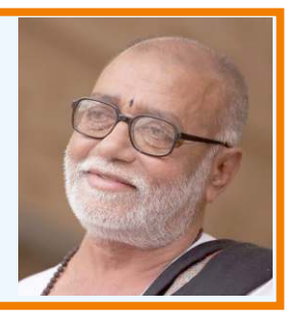

## 6 महीने बाद फिर शुरु होगी मोनो रेल

लॉकडाउन के बाद मार्च से बंद चल रही देश की पहली मुंबई, मोनो रेल सेवा तकरीबन 6 महीने बाद रविवार यानी 18 अक्टूबर से फिर से शुरू हो रही है। फिलहाल, यह केवल चेंबूर-वडाला-जैकब सर्कल ट्रैक पर चलेगी। इसे फिर से शुरू करने से पहले सरकार ने कोविड-19 को देखते हुए एक एसओपी जारी की है। यात्रियों के लिए 'नो मास्क-नो एंट्री'का स्लोगन दिया गया है।

मोनो रेल में यात्रा के लिए जारी की गई गाइडलाइन

बिना मास्क के यात्रियों की मोनो रेल में एंट्री नहीं होगी। ट्रेन के अन्दर भी सभी यात्रियों को दो गज की दूरी नियम को मानना होगा।

टिकट लेने वाले यात्रियों को अपने मोबाइल पर इंस्टॉल आरोग्य सेतु पर ग्रीन का सिग्नल दिखाना होगा।

हर यात्री को ट्रेन में एक सीट छोड़कर बैठना होगा।

प्लास्टिक टोकन, पेपर टिकट जारी नहीं किया जाएगा। उनके मोबाइल फोन पर डिजिटल टिकट जारी किया जाएगा।

प्रवेश द्वार पर हर यात्री की स्क्रीनिंग की जाएगी।

फरवरी 2014 में शुरू हुई थी मोनो रेल सेवा

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने फरवरी 2014 में देश की पहली मोनो रेल सेवा चेंबूर और वडाला डिपो के बीच शुरू की थी। तब यह मोनोरेल 8.8 किलोमीटर का सफर पूरा करती थी। दूसरे चरण में इसे 20 किलोमीटर तक बढ़ाया गया। इस रूट पर सात स्टेशन हैं- वडाला, भक्ति पार्क, मैसूर कॉलोनी, बीपीसीएल, फर्टिलाइजर टाउनशिप, वीएनपी-आरसी मार्ग जंक्शन और चेंबूर पड़ता है।

एक कोच में 20 यात्रियों के बैठने की क्षमता

यह ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सिंगल ट्रैक पर दौड़ती हुए 15 से 20 मिनट में अपना सफर पूरा करती है। मोनो रेल के आसमानी नीले, गुलाबी और हरे रंग के हर कोच में 20 यात्रियों के बैठने की जगह है जबकि अधिकतम 200यात्री पूरी ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं।

क्या है मोनो रेल?

मानो रेल ऐसी ट्रेन हैं जो कि रेलवे लाइन पर नहीं बल्कि एक बीम के सहारे चलती है और इसके सारे कोच इसी बीम से जुड़े होते हैं। इसका पाथ सड़क मार्च से लगभग 10 फीट या इससे भी अधिक ऊंचाई पर बनाया जाता है, जिससे कि यात्रियों को ट्रैफिक से निजात मिलती है, साथ ही यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखा जाता है। इसमें सफर के दौरान दुर्घटना की संभावना भी नहीं रहती है, इसकी रफ्तार भी अन्य ट्रेनों और बसों से तेज होती है।

मोनो रेल का इतिहास

दुनिया की पहली मोनो रेल 1820 में रूस के ईवान इलमानोव के द्वारा बेहतर यातायात के विकल्प के तौर पर बनाई गयी थी। जिसके बाद 1821 में इसका पहला ट्रायल दक्षिणी लंदन के डप्टफोर्ड डॉकयार्ड के हार्ड फोर शेयर से रिवर ली तक किया गया था। इसके बाद 1900 में गायरो मोनोरेल का परीक्षण किया गया। 1901 में इसका लिवरपूल से मैनचेस्टर के बीच प्रयोग भी किया गया।

1910 में गायरो मोनोरेल का प्रयोग अलास्का की खानों में कुछ समय तक किया गया। 1980 के बाद शहरीकरण के बढ़ने के साथ साथ ही जापान और मलेशिया में इसका बेहतर इस्तेमाल किया गया। आज टोकियो मोनोरेल विश्व का सबसे व्यस्त नेटवर्क है, जिसका प्रयोग हर रोज एक लाख सत्ताइस हजार यात्री करते हैं।

## दशहरा से शुरू होंगे जिम

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि प्रदेश में जिम एवं फिटनेस केंद्रों को विजयादशमी के दिन से दोबारा खोलने की अनुमति दी जायेगी, जो 25 अक्टूबर को पड़ रहा है । जिम एंव फिटनेस केंद्रों के प्रति निधियों के साथ ऑनलाइन बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जुम्बा और योग तथा स्टीम एवं सौना सुविधा जैसी सामूहिक गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जायेगी । उन्होंने कहा, ''जिम एवं फिटनेस केंद्र लोगों की बेहतरी के लिये है, इसलिये इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिये तथा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये संक्रमण का प्रसार नहीं हो । नियमों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिये ।'' ठाकरे ने कहा कि कोविड—19 प्रतिबंधों को राज्य सरकार धीरे — धीरे हटाने की दिशा में काम कर रही है । मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के सभी उपाय किये जाने चाहिये जिसमें हर घंटे परिसर को संक्रमणमुक्त किया जाना, सामाजिक मेल जोल की दूरी, सेनिटाइजेशन एवं मास्क का इस्तेमाल आवश्यक है । उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच नियमित अंतराल पर की जानी चाहिये ।

## शिवसेना ने नहीं की राज्यपाल कोश्यारी को वापस बुलाने की मांग-राऊत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राऊत ने कहा है कि हमने केंद्र सरकार से राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी को वापस बुलाने की मांग नहीं की है। राऊत ने कहा कि हमने कभी यह नहीं कहा कि राज्यपाल को वापस बुलाएं। लेकिन यदि केंद्र सरकार को लगता है कि महाराष्ट्र में कुछ गलत हुआ है तो यह उनकी जिम्मेदारी है। राऊत ने कहा कि देश में राज्यपाल केंद्र सरकार और राष्ट्रपति का राजनीतिक प्रतिनिधि होता है। शिवसेना नेता ने कहा कि आजकल तो पूरे देश में दो प्रदेशों महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में ही राज्यपाल हैं। क्योंकि दोनों प्रदेशों में विरोधियों की सरकारें हैं। बाकी के प्रदेशों के बारे में मुझे नहीं पता। राऊत ने कहा कि यदि महाराष्ट्र में भाजपा का मुख्यमंत्री होता और केंद्र में दूसरे दल की सरकार होती उस समय राज्यपाल इसी तरह का बर्ताव करते तो भाजपा भी राज्यपाल को वापस बुलाने की मांग करती। लेकिन शिवसेना ने यह मांग नहीं की है। इससे पहले गुरुवार को शिवेसना ने पार्टी के मुखपत्र में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यदि राजभवन की प्रतिष्ठा कायम रखना चाहते हैं तो राज्यपाल को वापस बुलाएं।

## मास्क न पहनना पड़ा महंगा, गिरफ्तारी से बचने आरोपी को देने पड़ेंगे 35 हजार

मुंबई। कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए खीज भरे समय ने हर किसी को अशांत,अस्थिर व अव्यवस्थित कर दिया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मास्क न पहनने के कारण पुलिस की कार्रवाई का सामना कर रहे आरोपी को अग्रिम जमानत देते हुए उपरोक्त टिप्पणी की है। मामले में गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए आरोपी अक्षय बेंग्रुत ने हाईकोर्ट में जमानत आवेदन दायर किया था।

जमानत आवेदन के मुताबिक आरोपी अपने एक रिश्तेदार की दुकान पर गया था। इस दौरान आरोपी ने मास्क नहीं पहना था। इस पर जब सरकारी अधिकारी ने मास्क न पहनने को लेकर आरोपी से सवाल किया तो उसने कहा कि वह भोजन करने की तैयारी में है। इसलिए उसने मास्क निकाला है। इस पर आरोपी व सरकारी अधिकारी के बीच बहस शुरु हो गई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ पुणे के समर्थनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। आरोपी ने भी इस मामले में सरकारी अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। क्योंकि इस घटना के दौरान आरोपी का एक दाँत भी टूट गया था।

न्यायमूर्ति भारती डागरे के सामने इस मामले की सुनवाई हुई। मामले से जुड़े तथ्यों पर गौर करने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि यह मामला इसका संसक्त उदाहरण है कि कोरोना महामारी ने ऐसा वातावरण बनाया है जिसने हर किसी को अस्थिर व अव्यवस्थित कर दिया है। इस मामले में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जरुरत नजर नहीं आती है। चूंकि आरोपी ने स्वेच्छा से 10 हजार रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करने को पेशकश की है। इसलिए उसे 25 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी जाती है। इस तरह से आरोपी को मास्क न पहनने के चलते 35 हजार रुपए देने पड़ेंगे। न्यायमूर्ति ने आरोपी को मामले की जांच में सहयोग करने को कहा है।

## कंगना और रंगोली के खिलाफ जांच का आदेश

मुंबई। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत व उनकी बहन रंगोली चंदेल के खिलाफ साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने से जुडी शिकायत की जांच करने को कहा है। मैजिस्ट्रेट जयदेव घुले ने पुलिस को इस मामले की जांच आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत कर जरुरी कार्रवाई करने को कहा है। गौरतलब है जांच के बाद पर्याप्त सबूत मिलने के आधार पर पुलिस कंगना व उसकी बहन के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर सकती है। मैजिस्ट्रेट ने मामले से जुड़े तथ्यों पर गौर करने के बाद कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि इस मामले में सज्ञेय अपराध नजर आ रहा है। इसलिए पुलिस इसकी जांच कर जरुरी कदम उठाए। मैजिस्ट्रेट ने उपरोक्त निर्देश मुनावर अली उर्फ साहिल सैय्यद की ओर से दायर शिकायत पर सुनवाई के बाद दिया। शिकायत में कंगना पर ट्विट व इंटरव्यू के जरिए बॉलीवुड को बदनाम करने और साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी ने बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद होने व दूसरे अशोभनीय आरोप लगाकर बॉलीवुड की छवि को नुकसान पहुचाया है। कंगना ने अपने ट्विट के जरिए दो समुदाय के कलाकारों के बीच अलगाव पैदा करने के कोशिश की है। उनकी बहन पर भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

## जिला परिषद के 139 शिक्षकों के तबादले

नागपुर। जिप में विस्थापित और रैंडम शिक्षकों के तबादले की समुपदेशन प्रक्रिया पूरी की गई। संपूर्ण प्रक्रिया का वीडियो रिकार्डिंग किया गया।

शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि की उपस्थिति में शासकीय नियम अनुसार पारदर्शी पद्धति से 139 शिक्षकों का समुपदेशन किए जाने का दावा शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) चिंतामण वंजारी ने किया। समुपदेशन में विस्थापित व रैंडम 53, दूसरे जिले से तबादला होकर जिले में दाखिल हुए 40, अनुसूचित जाति प्रवर्ग में सीधे सेवा भर्ती से नियुक्त हुए 46 शिक्षक सहभागी हुए। कुल 139 शिक्षकों का समुपदेशन कर तबादले किए गए। तबादला प्रक्रिया शुरू करने से पहले प्राप्त आवेदनों की सूची जिप की वेब-साइट पर जारी की गई। समुपदेशन प्रक्रियामें सेवावरीयता के अनुसार रिक्त सीट स्क्रीन पर डिस्प्ले की गई। रिक्त सीटों की जानकारी देकर उपलब्ध सीट पर शिक्षकों की पसंद से पद स्थापना किए जाने की वंजारी ने जानकारी दी।

## ईओडब्लू ने किया सहकारी बैंक घोटाले में ईडी की इंट्री का विरोध, अजित पवार सहित 69 लोगों को मिली है क्लिनचिट

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने महाराष्ट्र स्टेट को आपरेटिव बैंक के 25 हजार करोड़ रुपए के कर्ज घोटाले के मामले में मुंबई की विशेष अदालत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हस्तक्षेप आवेदन का विरोध किया है। ईडी ने इस मामले में ईओडब्लू की क्लोजर रिपोर्ट का विरोध किया है। ईओडब्लूके मुताबिक ईडी का इस प्रकरण से कोई संबंध नहीं है। इसलिए उसके पास इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार व आधार नहीं है।

पिछले दिनों ईओडब्लू ने बैंक से जुड़े कथित घोटाले के मामले में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित 69 आरोपियों को क्लीनचिट देते हुए मुंबई में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी। यह रिपोर्ट मामले से जुड़े लोगों का बयान दर्ज करने के बाद दायर की गई है।क्लोजर रिपोर्ट में ईओडब्लू ने कहा था इस प्रकरण में कोई आपराधिक पहलू नहीं है। यह एक सिविल मामला है। गौरतलब है कि ईडी ने इस मामले को जांच मनी लांड्रिंग कानून के तहत शुरु की थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई 28 अक्टूबर 2020 तक के लिए स्थगित कर दी है।

जेट एयरवेज मामले में ईडी की याचिका

इधर जेट एयरवेज से जुड़े एक मामले को लेकर ईडी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। सत्र न्यायालय ने पिछले दिनों मामले में जेट एयरवेज के प्रमुख नरेश गोयल को राहत दी थी और ईडी को मामले में हस्तक्षेप करने की इजाजत देने से मना कर दिया था। एडीसनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह इस मामले में ईडी का पक्ष रखेंगे। न्यायमूर्ति रेवती ढेरे ने 19 अक्टूबर 2020 को इस याचिका पर सुनवाई रखी है।

अब सिंचाई घोटाले की जांच करना चाहती है ईडी

सत्ताधारी दलों द्वारा सरकारी जांच एजेंसियों का अपने हित में इस्तेमाल अब कोई नई बात नहीं रही। राज्य सरकार के मातहत काम करने वाले भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा सिंचाई घोटाले में क्लिनचिट दिए जाने के बाद अब केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सिंचाई घोटाले की जांच करना चाहती है। ईडी ने जल संसाधन विभाग के सचिव से इस मामले से जुड़े कागजातों की मांग की है। समझा जा रहा है कि इससे उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मुश्किले बढ़ सकती हैं। आघाडी सरकार में अजित पवार के जल संसाधन मंत्री रहते यह कथित घोटाला हुआ था। ईडी ने तत्कालिन जंस संसाधन मंत्री, ठेकेदार व अधिकारियों के आर्थिक व्यवहार की जांच शुरु की है। इस संबंध में ईडी ने बीते 8 सितंबर को जल संसाधन विभाग के सचिव को पत्र भेजा है। ईडी ने कथित सिंचाई घोटाले में मनी लांड्रिंग के एंगल से जांच शुरु की है। ईडी ने कोकण सिंचाई महामंडल के कार्यकारी निदेशक को समन भेज कर 21 अक्टूबर को पूछाताछ के लिए ईडी दफ्तर बुलाया है। ईडी ने मई 2020 में विदर्भ सिंचाई महामंडल के तहत आने वाले गोंदिया, यवतमाल, भंडारा जिले की 12 सिंचाई परियोजनाओं में घोटाले को लेकर एफआईआर दर्ज की थी।

## अस्पतालों में घटिया कोरोना वायरस किट सप्लाई की हो जांच

मुंबई। विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने पुणे और जालना में खराब गुणवत्ता की आरटी-पीसीआर कोरोना वायरस जांच किट वितरित किए जाने के मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की है। शनिवार को दरेकर ने कहा गुणवत्ता के मापदंडों पर खरी नहीं उतरने वाली किट की आपूर्ति करने वाली कंपनी और राज्य के चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के दोषी अधिकारियों के खिलाफ सदोष मानव वध का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में दरेकर ने दोनों विभाग के संबंधित दोषी अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र भी भेजा है।

दरेकर ने कहा कि पुणे की राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान ने 7 अक्टूबर को रिपोर्ट दिया था कि इस्तेमाल में लाई गई किट खराब गुणवत्ता की है। इसके बावजूद पुणे में 10 अक्टूबर तक जांच के लिए इस किट का इस्तेमाल किया गया है। दरेकर ने कहा कि खराब गुणवत्ता की किट के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदारी लेने से बच रहा है। दोनों विभाग के मंत्री एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि किट खरीदी का मामला चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन आता है जबकि चिकित्सा शिक्षा मंत्री अमित देशमुख का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग जिम्मेदार है।

दरेकर ने कहा कि खराब गुणवत्ता के किट का इस्तेमाल किए जाने से कोरोना संक्रमितों की संख्या 25 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गई। इसका मतलब है कि लगभग 5 लाख खराब किट का इस्तेमाल किया गया है।

मुख्यमंत्री मातोश्री से निकलने के लिए तैयार नहीं

दरेकर ने कहा कि प्रदेश में अतिवृष्टि के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को फोन करके केंद्र की ओर से हर संभव मदद दिए जाने का भरोसा दिया है। लेकिन मुख्यमंत्री किसानों के फसलों के नुकसान के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए मातोश्री से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं। सरकार के मंत्री किसानों के बीच नजर नहीं आ रहे हैं। इसलिए विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस 19 अक्टूबर से आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। वे इस दौरे की शुरुआत पुणे के बारामती से करेंगे। मैं भी उनके साथ मौजूद रहूंगा।

दरेकर ने कहा कि हमने राज्य सरकार से प्रदेश में गीला सूखा घोषित करने की मांग की है लेकिन सरकार ने अभी तक पंचनामा भी पूरा नहीं किया है। इसी बीच एक सवाल के जवाब में दरेकर ने कहा कि राज्य सरकार का जलयुक्त शिवार अभियान के कामों की खुली जांच कराने का फैसला और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सिंचाई घोटाले की जांच करने के फैसले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी जांच एजेंसी को लगता है कि जांच अधूरी है तो वह अपने स्तर पर फैसला ले सकती है।

# जहरीली हवा

खेतों में पराली जलाए जाने की समस्या से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए अपने ही पूर्व न्यायाधीश एमबी लोकुर की अध्यक्षता में समिति बना दी है। यह समिति कड़े निगरानी तंत्र के रूप में काम करेगी। राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों की हवा जिस कदर जहरीली हो रही है, उसे देखते हुए कड़े कदम उठाना अपरिहार्य हो गया है। पिछले कई सालों से सिर्फ दिल्ली और आसपास के इलाके ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के ज्यादातर राज्य वायु प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। हर साल आने वाली देशी-विदेशी रिपोर्टें बता रही हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा हवा भारत के शहरों की खराब है और यह स्थिति दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। इस बार भी हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के खेतों में पराली जलाई जा रही है और उसका धुआं राजधानी में वायु प्रदूषण का कारण बन रहा है। यह अफसोसजनक है कि पिछले कुछ वर्षों में सर्वोच्च अदालत के हस्तक्षेप और कड़े निर्देशों के बावजूद पराली का जलना रुका नहीं है। पंजाब, हरियाणा सहित उन सभी राज्यों को जहां हर साल किसान पराली जलाते हैं, सुप्रीम कोर्ट सख्त निर्देश और कार्रवाई की



चेतावनी देता रहा है। अदालत के डर और दबाव में कुछ कदम उठाए भी गए, लेकिन एक सीमा के बाद सरकारों ने भी हाथ खड़े कर दिए। सर्वोच्च अदालत ने राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि किसी भी सूरत में किसानों को पराली जलाने से रोका जाए और लोकुर समिति के काम में हर तरह से मदद की जाए। लेकिन सवाल है कि क्या सिर्फ अदालती सख्ती से किसानों को पराली को जलाने से रोक पाना संभव है! अगर ऐसा है तो इस बार पराली जलनी ही नहीं चाहिए थी। दरअसल, समस्या राज्य सरकारों की है। जो कदम सरकारों को उठाने चाहिए, उनमें वे नाकाम रहीं हैं। अगर किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है तो यह सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि पराली निपटान के उपायों पर तेजी से काम करें और उन पर सख्ती से अमल हो। हालांकि पराली से खाद और बिजली बनाने से लेकर उसके कई तरह के उपयोग करने की बात सामने आती रही है, लेकिन हालात बता रहे हैं कि व्यावहारिक धरातल पर ये उपाय कारगर साबित नहीं हो रहे और समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। कहा जा रहा है कि वायु प्रदूषण में पराली जलाने से निकलने वाले धुएं की हिस्सेदारी चार फीसद है। हालांकि यह समय के हिसाब से घटती-बढ़ती रहती है और चार से चालीस फीसद तक रहने की बात है। पर यहां सवाल चार या चालीस फीसद का नहीं होना चाहिए। मुद्दा यह है पराली जलाने पर किसी भी कीमत पर रोक लगनी चाहिए। वरना सर्वोच्च अदालत के आदेशों का क्या मतलब रह जाएगा? यह भी सच है कि राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाने का एकमात्र कारण पराली नहीं है, कई और भी कारण हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया सकता। इनमें वाहनों से निकलने वाला धुआं, जगह-जगह कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, छोटी फैक्ट्रियां आदि ऐसे कारण हैं जो हवा को निरतंर खराब कर रहे हैं। हालांकि दिल्ली सरकार ने इस बार कई निकायों पर भारी जुर्माना लगा कर सख्ती का संदेश दिया है, लेकिन इतनी ही सख्ती दूसरे कारणों के समाधान में भी दिखनी चाहिए। तमाम कड़े उपायों के बावजूद दिल्ली की सड़कों पर लाखों दुपहिया और चार पहिया वाहन दौड़ रहे हैं, जिनकी अवधि पूरी हो चुकी है। ऐसे में कैसे हवा को साफ रख पाएंगे?

# अराजकता के पांव

संजय शर्मा

उत्तर प्रदेश में जैसी आपराधिक घटनाएं लगातार आ रही हैं, उससे यही लगता है कि राज्य में अपराधी तत्त्वों का हौसला उफान पर है और उनके भीतर पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है। अब हालत यह सामने आ रही है कि पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में कोई नेता अपनी मनमानी और गुंडागर्दी को अंजाम दे रहा है और पुलिस मुंह ताकती रह जाती है। ताजा घटना बलिया जिले के दुर्जनपुर गांव की है, जहां दो दुकानों को लेकर हुए विवाद में एसडीएम और अन्य पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में एक भाजपा नेता ने एक स्थानीय युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। वह मौके से फरार भी हो गया था। सवाल है कि इस घटना को कैसे देखा जाएगा! आखिर उसके भीतर यह हिम्मत कहां से आई कि पुलिस और उच्च अधिकारियों के वहां मौजूद होने के बावजूद उसे गोली चलाने में कोई हिचक नहीं हुई? भाजपा अब यह कह सकती है कि उससे पार्टी का कोई वास्ता नहीं है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्या प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण से मिली निश्चिंतता के बिना संभव हो पाती हैं? इसके अलावा, राज्य में पिछले कुछ समय से लगातार महिलाओं के खिलाफ अपराध एक तरह से बेलगाम होते जा रहे हैं। हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुई बर्बरता के बाद देश भर में पैदा हुए आक्रोश के बीच राज्य सरकार और पुलिस को कठघरे में खड़ा होना पड़ा है। कम से कम इसके बाद पुलिस और प्रशासन इस तरह सक्रिय होती कि अपराधी मानस वाले लोगों के भीतर खौफ पैदा होता और वे किसी अपराध को अंजाम देने से डरते। लेकिन



अब भी बलात्कार और हत्या की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। खासतौर पर दलितों और कमजोर तबकों के खिलाफ अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। हाल ही में अपने घर में सो रही तीन दलित बहनों पर तेजाब फेंक दिया गया। अब बाराबांकी में भी बुधवार को एक दलित लड़की खेत में धान काटने गई और वहीं कुछ बदमाशों ने उसके हाथ बांध दिए, बलात्कार किया और नृशंस तरीके से हत्या कर दी। लड़की के परिजनों का आरोप है कि शुरुआत से ही सब कुछ साफ होने के बावजूद पुलिस ने मामले को दबाने की कोशिश की।

लेकिन गुरुवार को जब पोस्टमार्टम में बलात्कार के बाद हत्या करने की पुष्टि हुई तब जाकर पुलिस ने बलात्कार से संबंधित धाराएं जोड़ीं। विडंबना यह है कि जिन मामलों में पुलिस को तुरंत सक्रिय होकर कार्रवाई करनी चाहिए, अपराधियों को पकड़ने का अभियान चलाना चाहिए, पीड़ितों को इंसाफ दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए, वहीं उसका रवैया ऐसा रहता है मानो वह किसी तरह मामले से अपना पीछा छुड़ाना चाहती है। उसकी इस उदासीनता से ऐसा संदेश जाता है कि वह अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही है। सवाल है कि कमजोर तबकों के खिलाफ अपराधों को लेकर पुलिस और प्रशासन का रुख पीड़ितों के प्रति इस कदर उपेक्षा से भरा हुआ या फिर आरोपियों के पक्ष में झुका हुआ क्यों दिखता है! आखिर किन वजहों से उसके व्यवहार में ऐसी बेरुखी दिखती है?

उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने से पहले भाजपा की ओर से सबसे बड़ा वादा यही किया गया था कि वह राज्य में अपराधियों और अपराध का खात्मा करेगी। लेकिन पिछले कुछ सालों के दौरान अपराधों का रिकॉर्ड देख कर इस दावे की हकीकत समझ में आती है।

आलम यह है कि उत्तर प्रदेश को महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में सबसे खतरनाक राज्य माना जाने लगा है! यह सवाल उठा है कि क्या राज्य में कानून-व्यवस्था पर सरकार का नियंत्रण खत्म होता जा रहा है!

# मातृ शक्ति की आर्थिक कमजोरी

सुरेश देसाई

नौ दिनों तक देवी के विभिन्न रूपों - शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होगी। नौ देवियों के नामों के नौ अर्थ और इन नामों से जुड़ी देवियों के जीवन की कथाएं भी हैं। यदि हम देवियों का नौ रूप देखें और उनके अर्थों को समझें, तो ऐसा विदित होता है कि सभी रूपों में देवी सशक्त रही हैं। नारी के विषय में इस तरह का चिंतन, आदर्श और व्यवहार, किसी भी देश में किसी युग में नहीं रहा है। यह सत्य है, नारी के लिए भी उसकी आर्थिक शक्ति सर्वोपरि है। आर्थिक दृष्टि से सशक्त नारी अपने जीवन में अपने प्रकृति प्रदत्त और सामाजिक शिक्षा से प्राप्त सारे गुणों की अभिव्यक्ति और अभ्यास कर सकती है। हमारा इतिहास बताता है कि जो महिलाएं, जिस किसी क्षेत्र में प्रसिद्ध हुईं, उससे पहले वे आर्थिक रूप से सशक्त हुईं।

ध्यान रहे, आज 'अंतरराष्ट्रीय गरीबी निवारण दिवस' भी है। नारी को देवी मानकर पूजने वाले समाज को भी सर्वप्रथम नारी की आर्थिक स्थिति पर विचार करना चाहिए। यह भी जान लेना चाहिए कि आज नारी शोषण की एक बड़ी वजह उनकी आर्थिक कमजोरी है। खूब मेहनत करने के बाद भी ज्यादातर महिलाएं अपनी मेहनत की मालिक नहीं हैं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं।

आज आर्थिक स्थिति पर विचार करने पर हम पाते हैं कि महिलाएं आर्थिक आधार पर बंटे तीन सामाजिक स्तरों को जीते हुए अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास करती रही हैं। समृद्धि के शिखर पर बैठे उच्च वर्ग में महिलाओं को अपने आर्थिक स्वावलंबन की चिंता नहीं करनी पड़ती। वे तो स्वयं न जाने कितनी जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाती हैं और ऐसा हर सक्षम महिला को करना ही चाहिए।

दूसरा है, मध्यम वर्ग। इस वर्ग में महिलाओं की संख्या अधिक है। स्वतंत्रता के बाद इस वर्ग में स्त्री शिक्षा का प्रसार हुआ है। शिक्षित होने के कारण अपनी योग्यता के आधार पर महिलाएं आज बडे-छोटे कई क्षेत्रों में उच्च पदों पर भी आसीन दिखती हैं। शिक्षा, व्यापार, विज्ञान, कला-संगीत, सीने जगत इत्यादि ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं, जहां महिलाओं के पांव धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। वे अर्थार्जन भी करती हैं और घर-परिवार भी संभालती हैं।

वर्ष 1981 में अखिल भारतीय महिला मोर्चा (भाजपा) की प्रधान होने के नाते मैंने सरकार के सामने दो मांगे रखी थीं। पहली, औरतों के लिए अधिक से अधिक आंशिक (पार्टटाइम) नौकरियों की व्यवस्था हो। दूसरी, काम घर लाने की सुविधा हो। उन दिनों भी पढ़ी-लिखी महिलाएं घर बैठती थीं, क्योंकि वे घर में बच्चों और बुजुर्गों को छोड़कर नौकरी को पूरा समय नहीं दे सकती थीं। पढ़-लिखकर सिर्फ घर के काम करने से उनके अंदर कुंठा पैदा होती रहती। उनसे पूछने पर कि 'आप क्या करती हैं?' थोड़ी झुंझलाहट से जवाब देती थीं, 'कुछ नहीं।' घर का सारा जंजाल भरा काम करने के बावजूद उनका वह जवाब एक अनकही पीड़ा में लिपटा रहता था। इसीलिए मैंने ये दोनों मांगें रखी थीं, ताकि महिलाएं अपने कार्य से आमदनी भी अर्जित कर सकें और घर का काम करके संतोष भी प्राप्त कर सकें।

तीसरा वर्ग आर्थिक दृष्टि से अति पिछड़ा कहा जा सकता है या प्रतिदिन कुआं खोदने और पानी पीने वाला समाज। इस समाज की महिलाएं शुरू से खेती, उद्योग-धंधों, छोटी-मोटी दुकान लगा और साफ-सफाई जैसे कार्य करके धन उपार्जन करती थीं, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण ठीक तरह से हो।

आज के समय में इन तीनों वर्गों में महिलाओं की स्थिति कमोबेश पूर्ववत ही है। मानना पड़ेगा, मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की महिलाएं अपने काम और आमदनी से संतुष्ट नहीं हैं। आज तक समान काम के लिए समान वेतन के कानून का पालन नहीं हो पाया है। वे शरीर तोड़ काम करने के बावजूद उचित मूल्य (आमदनी) नहीं प्राप्त कर पाती हैं। आज की स्त्रियों के पास पारिवारिक, राजनीतिक और आर्थिक कानूनों का काफी ज्ञान है। ऐसे में, उचित अधिकार न मिलने पर वे दुःखी होती हैं।

महिलाओं का आर्थिक विकास और स्वावलंबन केवल उनके हित में नहीं है, बल्कि यह उनके परिवारों में सुख-शांति लाने में कारगर होता है। उनकी मेहनत-कमाई को भी राष्ट्रीय आमदनी का भाग बनाकर, देश आर्थिक रूप से अपने स्वावलंबन की स्थिति की घोषणा कर सकता है। नीति आयोग के अनुसार, भारत की श्रम शक्ति में अभी महिलाओं का योगदान मात्र 27 प्रतिशत है, इसे विश्व के औसत 48 प्रतिशत पर लाना होगा। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था में और 700 अरब डॉलर जुड़ जाएंगे। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महिलाओं का योगदान 20 प्रतिशत से भी कम है। मातृ शक्ति को सीधे अर्थव्यवस्था से जोड़े बिना भारत के विकास का सपना पूरा नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता की बात जोरों से उठाई है। राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में आधे की हिस्सेदार महिलाएं होंगी। महिलाओं को सुखी, परिवार को स्वस्थ और देश को विकसित बनाने के लिए हमें प्रयास करने पड़ेंगे।

महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्थाई रूप से काम और रोजगार शुरू करने के लिए धन मिलना चाहिए। पूरे देश में महिलाओं की क्षमता का मूल्यांकन होना चाहिए। पिछले तीन दशकों में बने लाखों स्वयंसेवी समूहों में महिलाओं की ही उपस्थिति ज्यादा दिखती है। इस क्षेत्र की ओर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के अनुसार, कोरोना काल में भी लाखों स्वयंसेवी संगठन बने हैं। स्वयंसेवी समूह के कार्यों में लगी महिलाओं की आर्थिक आमदनी से उनमें आत्मविश्वास पैदा होते और उन्हें प्रसन्न होते मैंने स्वयं देखा है। स्वयंसेवी समूह को पुनः एक बड़ा आंदोलन बनाया जा सकता है, जिससे देश की करोड़ों महिलाएं आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनेंगी और उनका व्यक्तित्व विकास होगा।

कोरोना के समय में महिलाओं-पुरुषों को रोजगार देने के लिए कई सारी कारगर योजनाओं की घोषणा हुई है। इन योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंचना चाहिए। योजनाओं के तहत महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण निश्चित रूप से देश को आगे ले जाएगा। महिलाएं जहां चाहें, उन्हें वहां छोटे या बड़े काम-धंधे से जोड़ना होगा। वर्क फ्रॉम होम से भी महिलाओं को लाभ हुआ है। नवरात्र का समय मातृ शक्ति को जगाने का समय है। महिलाओं को एकजुट होकर आगे आना होगा। तरीके बहुत हैं और मिलकर निकाले भी जा सकते हैं। सबसे जरूरी है कि हम यह समझें, महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन न्याय, सुख व संपन्नता का मार्ग है।

# भरपूर अनाज के बावजूद भूख

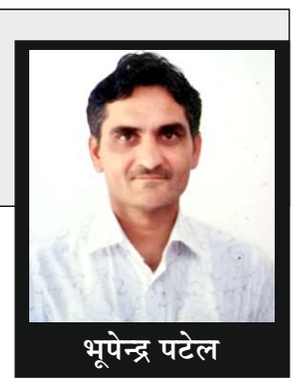



भूपेन्द्र पटेल

कोरोना वायरस के माहौल में दुनिया को समझ में आया है कि भोजन कितनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है और इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने 'बढ़ें, पोषण करें और साथ रहें' पर ध्यान केंद्रित किया है। अब हमें दुनिया में एक ऐसा तंत्र बनाना होगा, जो न केवल कृषि को संकट से निकाले, बल्कि खाद्य तंत्र को उस दिशा में ले चले, जहां सबके लिए पोषण-भोजन का प्रबंध हो सके।

कोरोना के समय पूरी दुनिया को कृषि क्षेत्र एक आधार के रूप में नजर आया है। भारत में देखा गया है, जब इकोनॉमिक ग्रोथ माइनस 23.9 प्रतिशत था, तब कृषि ही सकारात्मक विकास दर को बरकरार रख सकी। कृषि में आपदा के समय भी 3.4 प्रतिशत की विकास दर देखी गई। इस क्षेत्र का महत्व लोगों को पता चल गया। कृषि की इस देश में सिलसिलेवार अनदेखी हुई है, जबकि यह क्षेत्र इस देश की रीढ़ है। दशकों से देश की नीति रही है कि उद्योग जगत के लिए कृषि से समझौता किया जाए। सोच की यह नाकामी आपदा के समय सामने आई है। अब जरूरी है कि हम खेती-किसानी को इतना संपन्न बनाएं कि किसानों की आय बढे। फूड ऐंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल क्यू डोंग्यू ने कहा है, 'आज तक हम सोचते थे कि अमीर आदमी के पास पैसा आएगा और वह उसे नीचे पहुंचाएगा, लेकिन यह सोच नाकाम हो चुकी है। अब समय बदल गया है, हमें अपनी सोच को बदलना होगा'।

आज बेशक, दुनिया का ध्यान कृषि क्षेत्र की ओर जाना चाहिए। इसके दो-तीन कारण हैं। भारत में अगर देखें, तो कृषि सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। 50 प्रतिशत जनसंख्या कृषि से जुड़ी है। 70 प्रतिशत ग्रामीण घर खेती से जुड़े हैं। अब समय आ गया है, हम कृषि को सबके हित में पटरी पर लाएं। कृषि क्षेत्र में इतनी क्षमता है कि उसे हम 'पावर हाउस ऑफ ग्रोथ' बना सकते हैं। कोरोना वायरस के समय यह संदेश साफ उभरकर सामने आया है।

कई दशकों से हमारे देश में जो सोच रही है और जिसे विश्व बैंक और आईएमएफ ने आगे बढ़ाया है कि खेती से लोगों को निकालकर शहर में लाना है। जब लॉकडाउन हुआ, तो लाखों लोग घर वापस गए, सबको पता चला, इतनी बड़ी संख्या में लोगों को शहर लाना गलत नीति थी। अब वापस कोशिश हो रही है कि लोगों को गांव में ही रोका जाए, लेकिन यह काम झटके में संभव नहीं है। गांवों को धीरे-धीरे इस योग्य बनाना होगा कि वे अपने लोगों को संभालकर रख पाएं। इसके लिए गांवों में कृषि को मजबूत करना सबसे जरूरी है। किसी एक गांव या एक राज्य के करने से यह नहीं होगा। हमें मिल-जुलकर एक ऐसा तंत्र बनाना होगा कि हम मिलकर आगे बढ़ें और सबका पोषण करने में कामयाब हों।

आोईसीडी अर्थात ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन ऐंड डेवलपमेंट की एक स्टडी बताती है, वर्ष 2000 और 2016 के बीच में किसानों को 45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पता चलता है, किसानों से जुड़ी अर्थव्यवस्था पर हमने जान-बूझकर प्रहार किया है। हर साल किसानों को 2.64 लाख करोड़ रुपये का नुकसान सहना पड़ता है। भारत में किसानों का रोष इसलिए भी बार-बार उभर आता है, क्योंकि किसानों की कमाई या उनका हित सुनिश्चित नहीं है।

किसानों की आय बढ़ाना जरूरी है। दशकों से किसानों की आय कम रही है और किसानों की आय को लगातार कम रखने की कोशिश होती रही है। किसान लगातार मांगते रहे हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को अनिवार्य कर दिया जाए या इस संबंध में एक नया अधिनियम लेकर आया जाए, जिसके तहत कोई भी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे नहीं हो, यह केवल धान और गेहूं के लिए नहीं हो। यह सभी फसलों पर लागू हो। इससे किसानों की आय बढ़ सकती है। दूसरा रास्ता है, कृषि में सार्वजनिक निवेश दशकों से घट रहा है, इसे बढ़ाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है, साल 2012-2018 के बीच कृषि में सार्वजनिक निवेश 0.3 से 0.4 के बीच में रहा है और इतनी धीमी गति से निवेश होगा, तो कृषि से चमत्कार की उम्मीद गलतफहमी ही होगी। इसे समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि कॉरपोरेट को हर साल जीडीपी का छह प्रतिशत कर रियायत के रूप में दिया जाता है, यही पैसा अगर कृषि में निवेश किया जाता, तो आज हम देखते कि कृषि का रूप ही दूसरा होता।

आज दो चीजें करनी जरूरी हैं। एक तो किसानों की आय बढ़ाने की जरूरत। दूसरी, कृषि-निवेश बढ़ाने की जरूरत। अगर ये दोनों कार्य किए जाएं, तो मुझे लगता है, 'सबका साथ-सबका विकास' के दरवाजे खुल जाएंगे। आत्मनिर्भर होने का रास्ता भी कृषि से होकर जाता है। 60 प्रतिशत लोगों के हाथों में पैसा होगा, तो उससे मांग बढ़ेगी, अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की अर्थव्यवस्था को कृषि आधारित बनाने की जरूरत है, ताकि अन्न या भोजन का अभाव दुनिया के किसी कोने में न रहे। यह माना जा रहा है कि कोरोना वायरस के समय में भूखे लोगों की अतिरिक्त तादाद करीब 15 करोड़ हो जाएगी। भूख के उपचार के बारे में पूरी दुनिया सोच रही है, अब केवल ऊपरी मदद से काम नहीं चलने वाला, जरूरतमंदों को निचले या बुनियादी स्तर पर ही मजबूत करना होगा। आज हाशिये पर खड़े लोगों का हाथ थामना जरूरी है। दुनिया में कोई कमी नहीं है। अगर आज दुनिया में 7.5 अरब लोग रहते हैं, तो करीब 14 अरब लोगों के लिए भोजन उपलब्ध है। यह अलग बात है कि 30 से 40 प्रतिशत के बीच भोजन हर साल बरबाद हो जाता है। अगर कहीं कमी है, तो राजनीतिक सोच या दृष्टिकोण की कमी है।

भूख के मद्देनजर हमारे देश को ज्यादा सजग होना है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2020 बताता है कि दक्षिण एशिया के जितने भी देश हैं, वे भारत से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत 119 देशों के बीच 102वें स्थान पर है। इससे पता चलता है, भारत को अभी बहुत कुछ करना है। विडंबना है, भारत में जो अन्न भंडार हैं, धान और गेहूं, हमारी जरूरत से कहीं ज्यादा हैं। इतना अन्न होने के बावजूद हमारी रैंकिंग अगर 102 आती है, तो यह चिंता का विषय है। कहीं न कहीं भोजन का प्रबंधन खराब हो रहा है।

# दाऊद इब्राहिम पर कसा शिकंजा अब घर-खेत की होगी नीलामी

मुंबई, अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को भारत छोड़े 36 साल हो गए हैं। उसने 1984 में देश से भागने से पहले जितनी भी संपत्तियां बनाईं, जांच एजेंसियां धीरे-धीरे उन सभी संपत्तियों को बेच रही हैं। अब स्मगलर्स ऐंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स (सफेमा) एजेंसी ने उसकी रत्नागिरी की कई प्रॉपर्टीज को अगले महीने नीलाम करने का फैसला किया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, 10 नवंबर को दाऊद की 8 संपत्तियां नीलाम होंगी। इनमें घर और सात खेत हैं।

दाऊद इब्राहिम रत्नागिरी का ही है। मुंबई में उसके पिता पुलिस में सिपाही थे, इसलिए उसकी परवरिश मुंबई में हुई। अभी तक किसी सरकारी ऑफिस में बुलाकर नीलामी की प्रक्रिया होती थी, लेकिन कोरोना की वजह से जब बहुत कुछ डिजिटल हो गया है, तो सफेमा की तरफ से दाऊद की इन प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी का फैसला किया गया है। पिछले एक दशक में दाऊद की मुंबई में दो दर्जन से ज्यादा प्रॉपर्टी नीलाम हो चुकी हैं।

इकबाल मिर्ची की संपत्ति की भी नीलामी

10 नवंबर को ही दाऊद के पुराने साथी इकबाल मिर्ची की भी मुंबई में दो प्रॉपर्टी की नीलामी होगी। यह दोनों संपत्तियां मुंबई में जुहू-तारा रोड पर हैं और इन दोनों प्रॉपर्टी की कीमत करोड़ों रुपये में है। इकबाल मिर्ची की कई साल पहले लंदन में मौत हो चुकी है। पिछले साल उसके परिवार के लोगों के खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था।

दाऊद की संपत्ति की ऐसे होगी नीलामीः

- 2 नवंबर तक इन प्रॉपर्टीज का मुआयना कर सकेंगे खरीदने के इच्छुक लोग।
- 6 नंवबर तक ऑनलॉइन ऐप्लिकेशन दे सकते हैं।
- उसी दिन तक ऑनलाइन ट्रांसफर करना होगा नीलामी के लिए जरूरी डिपॉजिट।
- 10 नवंबर को की जाएगी ई-नीलामी।

# सांसद सुप्रिया सुले ने पुणे में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया

महाराष्ट्र हुई भारी बारिश की वजह से पुणे, सतारा, सोलापुर, सांगली और कोल्हापुर में आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान सोलापुर और पुणे में हुआ है एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इसके पहले राज्य के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुके हैं। दोनों भाई बहन ने बारामती के अलग अलग इलाकों का दौरा किया है।

सोलापुर में सबसे ज्यादा तबाही

बाढ़ की वजह से तबाही हुई है। बाढ़ की वजह से अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। महाराष्ट्र का सोलापुर जिला बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ इस जिले में 14 लोगों की मौत हुई है जबकि 1716 घर बाढ़ की भेंट चढ़ गए हैं। वहीं 34000 हेक्टेयर पर लगी हुई फसल खराब हो गई। सोयाबीन गन्ना कपास और सब्जियां बुरी तरह से प्रभावित हुई है बाढ़ की वजह से तकरीबन 500 जानवरों की भी मौत हो गई है।

# जरूरी सेवाओं के बाद महिलाओं के लिए खुले लोकल ट्रेनों के दरवाज़े, टाइमिंग का रखना होगा ध्यान

मुंबई, सेंट्रल रेलवे ने मुंबई और उपनगरीय इलाकों की महिलाओं को बड़ी राहत दी है। कोरोना के चलते प्रभावित हुई लोकल ट्रेन सेवा धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है और अब इन ट्रेनों में महिलाओं को भी एंट्री देने का फैसला लिया गया है। अभी तक सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को ही लोकल ट्रेनों में सफर करने की इजाजत थी।

महिलाओं को लोकल में सफर के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने की भी जरूरत नहीं होगी और सिर्फ वैध टिकट के आधार पर उन्हें एंट्री दी जाएगी। हालांकि उन्हें समय का विशेष ध्यान रखना होगा। महिलाओं को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक और फिर शाम को 7 बजे तक आखिरी लोकल छूटने तक सफर करने की अनुमति होगा।

इसके अलावा सेंट्रल रेलवे ने 15 अक्टूबर से मुंबई उपनगरीय इलाकों में 28 नई स्पेशल सेवा लोकल ट्रेनें चलाई हैं। लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह बड़ी राहत की खबर है। इसके साथ ही केन्द्रीय रेलवे की उपनगरीय सेवाओं में ट्रेनों की संख्या 453 से बढ़कर 481 हो गई है।

लोकल ट्रेनों में इन दिनों सिर्फ इन यात्रियों को है सफर की इजाजत

फिलहाल लोकल ट्रेन सेवाएं आम लोगों के लिए बंद हैं। इन दिनों सिर्फ राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत और प्राइवेट बैंकों, पीएसयू और फार्मा कंपनियों के कर्मचारियों को ही सफर करने की इजाजत है। इसके अलावा हाल ही में लोगों तक लंच पहुंचाने वाले डिब्बावालों और विदेशी दूतावास और उच्च आयोगों के कर्मचारियों को भी इसमें सफर करने की इजाजत दी गई है।

# जलगांवः 4 नाबालिगों की हत्या मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, कत्ल से पहले की थी दरिंदगी

जलगांव, महाराष्ट्र के जलगांव जिले की रावेर तहसील के बोरखेड़ा गांव में हुई चार नाबालिगों की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने अपना जुर्म कुबूल भी किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। आरोपियों ने माना कि उनलोगों ने पहले रेप की कोशिश की थी। विरोध करने पर एक-एक करके तीन भाई-बहनों को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद उनके बहने के साथ रेप किया और फिर उसका भी कत्ल कर डाला।

इस हिला देने मामले में राज्य सरकार भी सक्रिय हो गई है। राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख शनिवार को पीड़ित परिवार से दोपहर बाद मुलाकात करेंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस डिटेक्शन में डॉग स्क्वायड की काफी मदद मिली। जब खोजी कुत्तों को खून से सनी

कुल्हाड़ी सुंघाई गई तब खोजी कुत्ते पुलिस को रावेर तहसील के एक लॉज में लेकर गए। वहां पर पुलिस को एक संदिग्ध आरोपी मिला। इसके बाद पुलिस ने 5 लोगों को अपनी हिरासत में लिया। इन 5 लोगों में से 3 लोगों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है।

आरोपियों ने बलात्कार के बाद की हत्या

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना इस प्रकार घटी। रात को जब बच्चे सो रहे थे, तब आरोपियों ने खिड़की तोड़कर उनके घर में प्रवेश किया और 14 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। इसी बीच बाकी भाई बहन की नींद टूट गई और वे बीच-बचाव करने लगे। आरोपियों ने एक-एक करके तीनों भाई-बहनों को मारा और फिर बारी-बारी से 14 वर्ष की लड़की के साथ बलात्कार किया। बलात्कार के बाद आरोपियों ने उसकी भी हत्या कर दी और फरार हो गए।

आदिवासी समाज के हैं आरोपी

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपी आदिवासी समाज से ताल्लुक रखते हैं और सभी की उम्र 21 से 23 साल के बीच में है। जलगांव शहर के संरक्षक मंत्री गुलाबराव पाटिल ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कथित रूप से इन लोगों ने कुल्हाड़ी से वारदात को अंजाम दिया था।

उन्होंने दो लाख रुपये आर्थिक सहायता पीड़ित परिवार को देने का ऐलान किया है। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी। वह इस मामले में सरकार से गुजारिश करेंगे कि सरकारी वकील के तौर पर उज्जवल निकम को नियुक्त किया जाए।

एमपी से आया था परिवार

मध्य प्रदेश से नौकरी की तलाश में यह परिवार महाराष्ट्र के जलगांव में आया था। महताब और उसकी पत्नी रूमली बाई भिलाला बोरखेड़ा गांव के ही मुस्तफा नाम के व्यक्ति के यहां खेती कर जीवनयापन करते हैं। महताब और उसकी पत्नी मध्य प्रदेश के गढ़ी इलाके के रहने वाले हैं। वारदात के वक्त मां-बाप अपने गृह राज्य गए थे। इसी दौरान यह दहला देने वाली घटना हो गई।

# सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत से जुड़ी फेक न्यूज फैलाने के आरोप में दिल्ली का वकील गिरफ्तार

मुंबई, सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान से जुड़ी झूठी खबरें फैलाने के आरोप में एक वकील को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के साइबर सेल ने दिल्ली निवासी विभोर आनंद को अरेस्ट किया है। आनंद खुद के वकील होने का दावा करते हैं। आनंद पर सुशांत और उनकी पूर्व मैनेजर की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर कई अपमानजनक और सनसनीखेज पोस्ट लिखने का आरोप है। आनंद का ट्विटर अकाउंट भी सस्पेंड कर दिया है।

आनंद ने कथित तौर पर महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे और राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख के साथ सुशांत और दिशा की मौत को जोड़ते हुए यूट्यूब पर एक विडियो पोस्ट किया था। आनंद ने विडियो में दावा किया था कि दिशा सालियान (28) की हत्या हुई थी और उससे पहले उनके साथ गैंगरेप हुआ था। आनंद ने इसके पीछे बॉलिवुड के कई बड़े लोगों के अलावा महाराष्ट्र के एक नेता का नाम लिया था। 9 जून को हुई थी दिशा की मौत पुलिस का यह ऐक्शन सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर झूठी खबरें और नफरत भरे पोस्ट शेयर करने पर चेतावनी की तरह देखा जा रहा है। बता दें कि पुलिस जांच के अनुसार, 9 जून को दिशा की मलाड स्थित एक बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या की थी जहां उनके मंगेतर रहते थे। 19 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी

पुलिस का कहना है कि सिटी कोर्ट से चेतावनी मिलने के बाद भी विभोर आनंद (31) लगातार झूठे मनगढंत पोस्ट लिख रहे थे और कई लोगों को निशाना बना रहे थे।

पुलिस ने उन्हें दिल्ली स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया और गुरुवार देर रात मुंबई लाया गया। विभोर को 19 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में रखा गया है। उनके खिलाफ आईपीसी और आईटी ऐक्ट की तमाम धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। फेक न्यूज फैलाने वाले 14 और लोगों की तलाश

आनंद के वकील हितेश पटेल ने कहा, 'एफआईआर राजनीति से प्रेरित है, मेरे क्लाइंट ने सिर्फ अपने विचार व्यक्त किए थे।' विभोर के अलावा 14 अन्य लोगों की भी पुलिस को तलाश है जिन्होंने सोशल मीडिया पर झूठी खबरें शेयर की थीं। बॉम्बे सिविल कोर्ट ने दिया था आदेश आनंद को बॉम्बे सिविल कोर्ट से हिदायत भी मिली थी और मनगढंत व फेक न्यूज वाले पोस्ट हटाने का आदेश मिला था। बावजूद इसके वह पोस्ट करते रहे। यह आदेश एक ऐक्टर-प्रोड्यूसर की याचिका पर आया था जिनका नाम सालियान केस में घसीटा जा रहे थे। बावजूद इसके आनंद सिलेब्रिटी का नाम लेते रहे।

# 'बार खोलने देंगे, लेकिन रामलीला से परहेज': राम कदम

मुंबई, रामलीला के आयोजन की अनुमति नहीं देने पर भाजपा नेता व विधायक राम कदम से ठाकरे सरकार को खरी-खरी सुनाई है। कदम का कहना है कि ठाकरे सरकार शराब की दुकानें और बार खोलने की अनुमति दे सकती है, लेकिन मंदिर नहीं खोल सकती। भगवान श्रीराम की गाथा कहने वाले रामलीला के आयोजन की अनुमति नहीं दे सकती। इसी संबंध में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष संजय पांडेय ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर सैंकड़ों साल से चली आ रही परंपरा को वे खत्म नहीं करने की अपील की है। हर साल की तरह इस साल भी रामलीला आयोजन करने की अनुमति देने की मांग की है। पांडेय का दावा है कि आयोजकों ने सरकार से वादा किया है कि वे सोशल डिस्टेसिंग का ध्यान रखते हुए मंचन करेंगे। विधायक राम कदम ने शुक्रवार को कहा कि सरकार बार खोल सकती है, शराब की दुकान खोलने की अनुमति दे सकती है, लेकिन मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दे सकती। आज सैकड़ों भक्त रामलीला करने की अनुमति मांग रहे हैं, लेकिन ठाकरे सरकार खामोश है। यह महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। लोगों के भावनाओं की यह सरकार कद्र नहीं कर रही है। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष संजय पांडेय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ठाकरे को पत्र लिखकर अनेक दशकों से चली आ रही रामलीला के मंचन को अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा है कि कुछ ही दिनों में दशहरा आने वाला है। उस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचन्द्र जी की जीवनगाथा लोगों तक पहुंचाने के लिए रामलीला रचाई जाती है। यह एक सैकड़ों वर्षों की परंपरा हैं जो महाराष्ट्र में कई दशकों से चल रही हैं, परंतु इस वर्ष महाराष्ट्र सरकार रामलीला का मंचन करने की अनुमति नहीं दे रही है जबकि रामलीला सादर करने वाले आयोजक एवं कलाकार पूरी सावधानियों के साथ उसे आयोजित करने के लिए तैयार है। अगर इस बार अनुमति नहीं दी तो फिर अगले साल स्थानीय प्रशासन पिछले साल की अनुमति की मांग करेगा जो रामलीला आयोजकों के पास नहीं होगी क्यों की आप इस साल उसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। इस तरह से आप एक हिंदुओं से जुड़ी परंपरा को खत्म करने की ओर कदम बढ़ा रहा है। पांडेय ने आगे लिखा है कि जब मदिरा की दुकानें एवं मॉल खुल सकते हैं तो फिर प्रशासन को मंदिर खुलवाने और रामलीला के आयोजन से दिक्कत क्या हैं ? आपने भले ही हिन्दू धर्म और उनसे जुड़ी आस्थाओं से मुंह मोड़ लिया है किंतु आज भी करोड़ों हिन्दू अपनी परंपराओं को चलाने का सामर्थ्य रखते है, पर कानून का सम्मान रखते हुए शांत है। हिंदू सहनशील है पर सनातन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए संघर्षशील भी बन सकता है।

# बाढ़ ने मचाया तांडव, 27 लोगों की मौत, एक लापता

मुंबई, महाराष्ट्र में भारी बारिश की वजह कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ की वजह से पश्चिम महाराष्ट्र के इलाके खास तौर पर पुणे,सातारा,सोलापुर, सांगली और कोल्हापुर में बड़े पैमाने पर बाढ़ की वजह से तबाही हुई है। बाढ़ की वजह से अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। सबसे प्रभावित सोलापुर महाराष्ट्र का सोलापुर जिला बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस जिले में 14 लोगों की मौत हुई है जबकि 1716 घर बाढ़ की भेंट चढ़ गए हैं। वहीं 34000 हेक्टेयर पर लगी हुई फसल खराब हो गई। सोयाबीन, गन्ना, कपास और सब्जियां बुरी तरह से प्रभावित हुई है। बाढ़ की वजह से तकरीबन 500 जानवरों की भी मौत हो गई है। सांगली में नौ लोगों की मौत बाढ़ की वजह से महाराष्ट्र के दूसरे जिले भी काफी प्रभावित हुए हैं जिनमें दूसरा नंबर सांगली का आता है। जहां पर 9 लोगों की मौत हुई है। जबकि एक व्यक्ति की सतारा में मौत हुई है। वहीं पुणे शहर में 3 लोगों के मौत की खबर है एक व्यक्ति की तलाश अभी भी की जा रही है। जिसके बारे में कुछ भी पता नहीं चल पाया है। लापता व्यक्ति अपने तीन दोस्तों के साथ नहर में बह गया था। जिसमें से 3 लोगों की लाश प्रशासन ने बरामद की थी। एक व्यक्ति की तलाश अभी भी जारी है। 21 हज़ार लोगों को शिफ्ट किया गया

पुणे के डिविजनल कमिश्नर ऑफिस द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 21000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। जिसमें से अकेले सोलापुर से 17 हजार लोगों को स्थानांतरित किया गया है। बाढ़ की वजह से पुणे में तकरीबन 57 हज़ार हेक्टेयर भूमि की फसल बर्बाद हो गई है। जिसमे से 34 हज़ार हेक्टेयर जमीन सोलापुर जिले की है। 14 अक्टूबर को हुई 100 एमएम की बारिश से सोलापुर की मोहोल, करमाला, मलसिरस, माढा तहसीलें बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

सरकार से मुआवजे की मांग

बाढ़ की वजह से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है, लोगों की फसलें चौपट हो चुकी हैं। ऐसे में तमाम परेशान किसान और अन्य लोग

महाराष्ट्र सरकार से जल्द से जल्द मुआवजे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस की एमएलए प्रणीति शिंदे ने भी सरकार से जल्द से जल्द मुआवजा देने की मांग की है। राज्य के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने भी बाढ़ की वजह से हुए नुकसान का जल्द से जल्द आकलन करने का निर्देश स्थानीय प्रशासन को दिया हुआ है ताकि मुआवजे को पीड़ित लोगों को दिया जा सके।

# जलयुक्त योजना की जांच के पीछे प्रतिशोध की कोई भावना नहीं : अजित पवार

पुणे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि जलयुक्त शिवार योजना की जांच शुरू करने के फैसले के पीछे कोई प्रतिशोध की भावना नहीं थी । साथ ही उन्होंने दावा किया कि पिछली देवेंद्र फडणवीस सरकार में जल संरक्षण मंत्री ने खुद इसमें ''अनियमितता'' स्वीकार की थी। राज्य सरकार ने बुधवार को इस परियोजना को लेकर जांच कराने का निर्णय लिया था और बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले में जांच-पड़ताल करेगा क्योंकि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने परियोजना के कार्य और उससे प्राप्त नतीजों पर सवाल खड़े किए थे। भाजपा ने जांच को लेकर किए गए निर्णय के पीछे ''राजनीतिक प्रतिशोध'' का आरोप लगाया है। पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' जांच के आदेश इरादतन नहीं दिए गए हैं और इसमें प्रतिशोध जैसी कोई बात नहीं है। यह जानबूझकर नहीं किया गया है। मंत्रिमंडल में कैग रिपोर्ट पर हुई चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र को 2019 तक सूखा मुक्त करने के लक्ष्य के साथ फड़णवीस सरकार ने 2014 में 'जलयुक्त शिवार अभियान' शुरू किया था। इसके तहत नहरों को चौड़ा और गहरा करना, सीमेंट और मिट्टी के बांध बनाना, नालों की मरम्मत करना और खेतों के लिये तालाबों की खुदाई जैसे कार्य किये जाने थे।

# 'देश भर में बंगाल और महाराष्ट्र में ही हैं राज्यपाल, और राज्यों का पता नहीं'.. शिवसेना नेता संजय राउत का तंज

मुंबई, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच तनातनी अब जगजाहिर है। दोनों में टकराव के कई मौके आए दिन सामने आते रहते हैं। इसे लेकर शुक्रवार को शिवसेना नेता संजय राउत ने दोनों प्रदेशों के राज्यपालों पर तंज कसा है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश में इस वक्त दो ही प्रदेशों महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में राज्यपाल हैं। बाकी जगह राज्यपाल हैं या नहीं उन्हें नहीं पता है।

दरअसल, राउत दोनों प्रदेशों के राज्यपालों की प्रदेश सरकारों से टकराहट पर तंज कस रहे थे। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने हाल ही में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को प्रदेश के मंदिरों को अनलॉक किए जाने को लेकर पत्र लिखा था। इस पर खूब बवाल हुआ। राज्यपाल ने ठाकरे को पत्र में पूछा कि क्या वह अब सेक्युलर हो गए हैं। इस पर शिवसेना की ओर से भी प्रतिक्रिया दी गई। ठाकरे ने जहां धीरे-धीरे अनलॉक किए जाने की दलील दी, वहीं पार्टी के नेता संजय राउत ने राज्यपाल की संविधान के प्रति निष्ठा पर ही सवाल खड़े कर दिए।

राउत ने फिर कसा तंज

राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार संविधान में दर्ज धर्मनिरपेक्षता शब्द के अनुसार काम कर रही है जबकि ऐसा लगता है कि राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। कोश्यारी पर इस पलटवार के बाद शुक्रवार को एक बार फिर संजय राउत ने राज्यपाल पर निशाना साधा है। राउत ने कहा कि राज्यपाल भारत सरकार और राष्ट्रपति का राजनीतिक एजेंट होता है। पॉलिटिकल एजेंट इसलिए क्योंकि सब राजनीतिक काम करते हैं।

# मुंबई हवाईअड्डे पर अब प्रस्थान करने वाले यात्रियों को भी कोविड-19 की जांच सुविधा

मुंबई, मुंबई हवाईअड्डे से प्रस्थान करने वाले यात्रियों और उन्हें छोड़ने आने या लेने आने वाले लोगों को भी कोरोना वायरस संक्रमण की त्वरित जांच सुविधा उपलब्ध होगी। विमानपत्तन की ओर से एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आरटी-पीसीआर जांच 15 अक्टूबर से की जा रही है। विज्ञप्ति में कहा गया कि शुरुआत में यह जांच नागर विमानन मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार यहां पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आरंभ की गयी थी। अब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन ने इसकी सुविधा यहां से प्रस्थान करने वाले यात्रियों तक भी बढ़ा दी है। इसमें कहा गया कि प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए टर्मिनल 2 के लेवल 4 पर स्थित जांच सुविधा उन लोगों के लिए भी उपलब्ध है जो अपने परिचितों को छोड़ने या लेने हवाईअड्डे पर आते हैं। बयान के अनुसार, प्रस्थान करने वाले यात्री हवाईअड्डे पर जांच करा सकते हैं और गंतव्य पर पहुंचकर पृथक-वास से बचने के लिए निगेटिव रिपोर्ट वहां दिखा सकते हैं।

# नवरात्र के व्रत में प्रेगनेंट महिलाएं साबूदाना खा सकती हैं या नहीं

*नवरात्र के शुभ दिनों में व्रताहार में साबूदाने का सेवन किया जाता है और प्रेगनेंट महिलाएं भी व्रत रखने पर इसी का सेवन करती हैं। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को नवरात्र में व्रत रखने पर साबूदाने का सेवन करने से पहले यह जान लेना चाहिए कि साबूदाना गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित है या नहीं?*

सोनल झालावाड़िया

गर्भावस्था में महिलाओं को शिशु के स्वास्थ्य और डिलीवरी में किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए नौ महीनों के दौरान बहुत सावधान रहना होता है। उन्हें अपनी डायट में सिर्फ उन्हीं चीजों को शामिल करना चाहिए जो पोषक तत्वों से भरपूर हों और जिन्हें प्रेगनेंसी में खाना सुरक्षित हो।

गर्भावस्था में व्रत रखने पर आपको साबूदाना खाना पड़ सकता है, ऐसे में प्रेगनेंसी डायट में साबूदाना लेने से पहले आपको इसके पोषक तत्वों और फायदे नुकसान के बारे में जान लेना चाहिए।

साबूदाना क्या है?

साबूदाना को सागो भी कहा जाता है और यह एनर्जी के साथ-साथ कार्बोहाइड्रेट से भी भरपूर होता है। साबूदाना से पुडिंग, सूप, खिचड़ी और उपमा आदि बनाया जा सकता है। कई कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में भी इसका इस्तेमाल होता है।

क्या प्रेगनेंसी में साबूदाना खा सकते हैं?

प्रेगनेंसी डायट प्लान में मां एवं बच्चे के लिए पौष्टिक और सुरक्षित चीजों को शामिल करना बहुत जरूरी होता है और साबूदाना उन्हीं में से एक है। मां और बच्चे दोनों के लिए सागो पौष्टिक भी होता है और सुरक्षित भी। व्रत में भी साबूदाना एक स्वस्थ विकल्प है। इसमें कई पोषक तत्व होते हैं जो बच्चे के विकास में मदद करते हैं और सबसे खास बात है कि साबूदाना आसानी से पच जाता है।

गर्भावस्था में साबूदाना खाने के फायदे

प्रेगनेंट महिला को साबूदाना खाने से निम्न लाभ मिल सकते हैं :

पाचन में सुधार : प्रेगनेंसी में कब्ज होना आम बात है और साबूदाना में उच्च मात्रा में डायट्री फाइबर मौजूद होते हैं। इससे पाचन में सुधार होता है और कब्ज से मुक्ति मिलती है।

जन्म विकारों से बचाव : साबूदाने में उच्च मात्रा में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और फोलिक एसिड होता है जो शिशु में विकार पैदा होने से रोकते हैं। ये दोनों तत्व भ्रूण के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

मांसपेशियों का विकास : 100 ग्राम साबूदाने में 0.2 ग्राम प्रोटीन होता है। प्रेगनेंसी में इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

रक्त प्रवाह में सुधार : प्रेगनेंसी के दौरान रक्त प्रवाह बेहतर होना बहुत जरूरी है। इसमें प्रचुर मात्रा में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करता है।

हड्डियों को मजबूती : साबूदाने में उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है जिससे हड्डियों को मजबूती मिलती है। साबूदाना को आहार में शामिल कर हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है।

साबूदाने के पोषक तत्व

साबूदाना खाने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन और डायट्री फाइबर होता है। प्रेगनेंसी डायट में साबूदाने को शामिल करना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

पोषक तत्वों से युक्त होने की वजह से डॉक्टर डिलीवरी के बाद भी महिलाओं को साबूदाना खाने की सलाह देते हैं। वहीं, बच्चों को ठोस आहार शुरू करने पर भी साबूदाना देना चाहिए।

साबूदाने की रेसिपी

साबूदाने की खिचड़ी, खीर, उपमा आदि बनाकर खा सकती हैं। नवरात्र के व्रत में इन्हीं चीजों से व्रत खोला जाता है और अब तो आप जान ही गई हैं कि प्रेगनेंसी में साबूदाना खाना कितना फायदेमंद होता है, तो अब आप आराम से अपने नवरात्र के व्रत में साबूदाना ले सकती हैं।

# तेजी से बदल रहा है मौसम, जानें अक्टूबर में ड्राय और ऑयली होती सकिन का कैसे रखें ख्याल

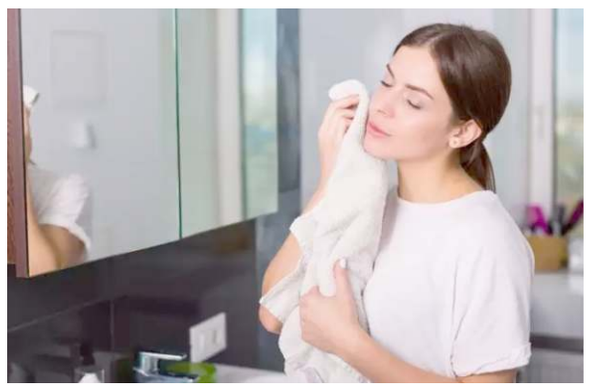

अक्टूबर के मौसम में हल्की-हल्की ठंड की शुरुआत होने लगती है। दिन और रात के वक्त जहां ठंडक महसूस होती है, वहीं दोपहर के समय तेज गर्मी होती है। बदलाव का यह मौसम हमारी सेहत और सकिन दोनों के लिए नाजुक है। बार-बार बदलते मौसम की वजह से हमारी सकिन कभी ड्राय हो जाती है तो कभी ऑयली। इसलिए, मौसम के बदलाव को देखते हुए, हम यहां कुछ स्किनकेयर टिप्स के बारे में बात करेंगे, जो आपको अक्टूबर के मौसम में अपनी सकिन का ख्याल रखने में सही तरीके से मदद करेंगे।

1. त्वचा को हाइड्रेटेड रखें:

सकिन को हमेशा मॉइस्चराइज रखने के लिए उसे हाइड्रेटेड रखें। अपने पास हमेशा एक फेशियल मिस्ट रखें और इसे अपने चेहरे पर छिड़कना सुनिश्चित करें। आप अपनी त्वचा को वॉटर बेस्ड मॉइस्चराइजर के साथ हाइड्रेटेड रख सकती हैं, जो कि ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट की तरह पोर्स को बंद नहीं करेगा। अपनी स्किन को अंदर से भी हाइड्रेट रखें। इसके लिए खूब पानी का सेवन करें।

2. सनस्क्रीन लगाना न भूलें

सनस्क्रीन को कभी न छोड़ें। सनस्क्रीन न केवल त्वचा को धूप से बचाता है,

बल्कि त्वचा और मौसम के बीच एक बैरियर के रूप में भी काम करता है। यहां तक कि अगर आप घर पर हों तब भी सनस्क्रीन का एक कोट लगाना सुनिश्चित करें।

3. त्वचा को साफ रखें

स्किन पर सिर्फ प्रोडक्ट ही न लगाएं बल्कि उसकी सफाई भी करें। चेहरे पर लगाए जाने वाले सकिन केयर प्रोडक्ट आपके पोर्स में जमा न होने पाएं, इसके लिए त्वचा को क्लींजर से साफ करें और दिन में कम से कम दो बार चेहरा धोएं।

4. अपने आहार में बदलाव करें

आपको अपने आहार में भी आवश्यक बदलाव करने होंगे। अपने आहार में एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करें, जो आपकी त्वचा को किसी भी तरह के बाहरी नुकसान से बचा सके। एक पौष्टिक आहार आपकी त्वचा को पोषित रखेगा और आपको एक प्राकृतिक चमक देगा। अपनी त्वचा को जरूरी पोषक तत्व देने के लिए अपने आहार में ताजे फलों को शामिल करें।

5. ड्राय स्किन के लिए

यदि आपकी सकिन ड्राय है तो उसे बार-बार पानी से न धोएं। इसे नमी प्रदान करने के लिए आप चेहरे पर बादाम और शहद से बना एक फेस पैक लगा सकती हैं। इसके अलावा रात में सोने से पहले अपनी सकिन पर अपनी सकिन टाइप के अनुसार नाइट क्रीम लगाकर मसाज करें।

# बोझिल हो चुकी आंखों में आएगी नई चमक, अपनाएं ये घरेलू तरीके

आंखों में दर्द और दुखन होना आज के समय में एक आम समस्या है। क्योंकि हम सभी का टीवी, मोबाइल और लैपटॉप पर स्क्रीन टाइम बहुत अधिक बढ़ गया है। लेकिन आंखों में होनेवाले दर्द के कारण किसी भी काम पर फोकस करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आपको इस समस्या से तुरंत राहत चाहिए होती है। आइए, यहां जानते हैं आंखों के दर्द, दुखन और थकान को दूर करने के घरेलू तरीकों के बारे में...

बढ़ जाती है संवेदनशीलता

-आपने इस बात पर जरूर गौर किया होगा कि जब भी आंखों में थकान या दर्द होता है तो आपकी आंखे लाइट के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। इस समय आपको तेज रोशनी बिल्कुल अच्छी नहीं लगती।

-आंखों में दर्द के कारण सिर में दर्द और भारीपन हो जाता है। कई बार यह दर्द बढ़कर कान के आस-पास के हिस्से और गर्दन तक भी पहुंच जाता है।

क्यों होती है आंखों में जलन और थकान?

आंखों के दर्द से तुरंत राहत पाने के उपाय

-कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप आंखों के दर्द और भारीपन से तुरंत राहत पा सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले अपने मुंह में पानी भरें और इस पानी को मुंह में ही रोके रखें।

-अब मुंह में पानी रोकने के साथ ही आंखों पर ठंडे पानी के छीटें दें। ऐसा दिन में तीन से चार बार करें। इस तरह आंखें धुलने पर आपको तुरंत राहत मिलेगी और आप खुद को ताजा फील करेंगे।

सूती कपड़े का उपयोग करें

-आप एक साफ सूती कपड़ा लें। अच्छा होगा अगर यह कपड़ा किसी हल्के रंग का हो। यदि सूती का कोई सफेद रुमाल हो तो और भी बढ़िया होगा।

-अब एक कटोरे में आधा गिलास साफ और ताजा पानी लें। इस ताजे पानी में आधा गिलास फ्रिज का ठंडा पानी मिला लें। इसके साथ ही इसमें एक चम्मच गुलाबजल मिला लें।

-अब इस पानी में सूती रुमाल को भिगोकर हल्के हाथों से निचोड़ लें और अपनी दोनों आंखों पर एक साथ रखकर लेट जाएं। आप 5-5 मिनट के लिए दो से तीन बार इस पट्टी को रखें और हर बार पट्टी को पानी में भिगोकर हल्का निचोड़ लें। आपको राहत मिलेगी।

तुलसी के पत्तों का उपयोग

-आंखों को ताजगी देने के लिए आप तुलसी और पुदीने के पत्तों का उपयोग कर सकते हैं। रात को सोने से पहले एक कटोरी पानी में तुलसी और पुदीने के कुछ पत्ते (8-10पत्ते) भिगोकर रख दें।

-सुबह उठकर इस पानी में साफ सूती का रुमाल भिगोकर आंखों पर रखें और थोड़ी-थोड़ी देर में पट्टी को पानी में भिगोकर फ्रेश करते रहें। ऐसा करने से आपकी आंखें दिनभर फ्रेश रहेंगी और आप बिना किसी थकान के लंबे समय तक स्क्रीन पर काम कर पाएंगे।

- यदि आपके पास सुबह के समय में यह काम करने का वक्त ना हो तो आप सुबह को पत्तियां पानी में भिगोकर रखें और शाम को ऑफिस के बाद इस पानी का उपयोग करें।

# बवासीर के रोग में बहुत लाभकारी होती है 'खेसारी की दाल'

इस दाल को लोग अक्सर अरहर की दाल समझ बैठते हैं। लेकिन अरहर दाल जैसी दिखनेवाली यह 'खेसारी की दाल' बवासीर जैसे खतरनाक रोग को जल्द ठीक करने में मदद करती है...

अक्सर लोग खेसारी की दाल को अरहर की दाल समझने की भूल कर बैठते हैं। क्योंकि यह देखने में काफी हद तक अरहर की दाल से मिलती-जुलती होती है। आयुर्वेद में खेसारी की दाल के सेवन कई तरह के रोगों का उपचार किया जाता है। इन्हीं में से एक रोग है बवासीर यानी पाइल्स (झ्ते) डिजीज।

खेसारी की दाल के गुण

-खेसारी की दाल प्रकृति में ठंडी होती है। इसलिए इस दाल का सेवन रात के भोजन में नहीं किया जाता है। मुख्य रूप से दोपहर के भोजन में इस दाल के सेवन का सुझाव दिया जाता है।

-यह दाल स्वाद में हल्की कसैली और मीठी होती है। शरीर में पित्त बढ़ने की समस्या होने पर भी खेसारी के दाल का सेवन किया जाता है। क्योंकि यह दाल पित्त नाशक होती है और शारीरिक शक्ति बढ़ाने का काम करती है।

-अन्य दालों की तरह प्रोटीन और आयरन की खूबियों से भरपूर होती है यह दाल। खास बात यह है कि इस दाल में और इसके तेल में विरेचक गुण पाए जाते हैं। यानी खेसारी का तेल और इसकी दाल पेट के लिए भी बहुत अधिक लाभकारी होती है।

-जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है, पाचनतंत्र में अक्सर गड़बड़ी होती है, आंतों में अल्सर की समस्या होती है, उन लोगों को खेसारी सीड्स के तेल का उपयोग करना चाहिए। क्योंकि विरेचक गुणों के कारण यह तेल पेट में अपशिष्ट पदार्थों को जमा नहीं होने देता है। इससे कब्ज की समस्या नहीं होती है।

इन रोगों में लाभकारी होती है

-खेसारी की दाल हड्डियों की कमजोरी दूर करती है। जो लोग अपनी डायट में इस दाल का सेवन करते हैं, उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।

-जिन लोगों को इंटरनल इंफ्लेमेशन की समस्या रहती है, उन्हें भी इस दाल का सेवन करना चाहिए। क्योंकि खेसारी की दाल खाने से शरीर के अंदरूनी हिस्सों में सूजन को नहीं बढ़ने देता है।

-पेट में एसिड बनने की समस्या से ग्रसित लोगों को भी खेसारी की दाल खाने से खास लाभ मिलता है। क्योंकि यह दाल तासीर में ठंडी होती है, इस कारण पेट को शीतलता देने का काम करती है।

-प्राकृतिक और पौष्टिक गुणों से भरपूर होने के कारण खेसारी की दाल में ऐसे औषधीय तत्व पाए जाते हैं, जो बवासीर की पीड़ा को नैचरली कम करते हैं।

# साप्ताहिक राशि भविष्यफल

**मेष राशि :** सेहत को लेकर इस सप्ताह कुछ परेशानियां हो सकती हैं। सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। व्यवसाय में कुछ समस्याएं हो सकती हैं। तय सीमा में काम पूरा न हो पाने के कारण आर्थिक परेशानी हो सकती है। कोर्ट से जुड़ा कोई फैसला आपके पक्ष में आ सकता है लेकिन अपनी खुशी जाहिर करते हुए संयम रखें।

**वृषभ राशि :** धन संबंधित मामलों को लेकर की गई यात्रा ज्यादा सफल नहीं हो पाएगी। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। किसी पर भी आंख बंद कर विश्वास न करें, धोखा मिल सकता है। निवेश को लेकर किए गए गलत निर्णयों के कारण मानसिक तनाव और निराशा हो सकती है।

**मिथुन राशि :** परिवार में इस सप्ताह खुशियों का माहौल रहेगा। परिवार के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। रियल इस्टेट्स से जुड़े लोगों के लिए यह हफ्ता काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। कोई बड़ी डील हाथ लग सकती है। प्रेम संबंधों के लिए सप्ताह मिला-जुला है।

**कर्क राशि :** करियर के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा साबित होगा। कार्यक्षेत्र पर अपने प्रतिद्वंद्वियों को परास्त करने में कामयाब होंगे। धन संबंधित मामलों के लिए समय अच्छा चल रहा है। ऊंचे कॉन्टेक्ट के चलते आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल है।

**सिंह राशि :** घर-परिवार में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी भी चीज पर रिएक्ट करने से बचें। कुछ परेशानियों के चलते तनाव महसूस कर सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन है। किसी पार्टी में जाते समय अपनी ड्रेस का ख्याल रखें।

**कन्या राशि :** कहीं छुट्टियों पर जाने का प्लान बना सकते हैं। कुछ छोटी-मोटी परेशानियों को छोड़कर छुट्टियों पर जाकर अच्छा महसूस करेंगे। प्रॉपर्टी संबंधित कामों के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा। निवेश के लिए किसी प्लॉट को खरीदना फायदे का सौदा साबित होगा। करियर में तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

**तुला राशि :** यह सप्ताह आपके लिए काफी भाग्यशाली रहेगा। इस हफ्ते आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। खुशी महसूस करेंगे। आप काफी क्रिएटिव हैं। यही क्रिएटिविटी आपको करियर में तरक्की दिलाएगी। लोग आपके काम की काफी तारीफ करेंगे। सेहत को लेकर सजग रहें।

**वृश्चिक राशि :** सप्ताह की शुरुआत में चंद्र देव आपकी राशि में ही विराजमान रहेंगे, जिसकी वजह से आप एक से अधिक कामों को एक साथ निपटाना पसंद करेंगे, लेकिन यह आदत ठीक नहीं क्योंकि इससे आपके कार्य में विलंब होगा। कुछ काम बीच में ही रुक जाएंगे। इस वजह से आपको मानसिक तनाव भी होगा। हालांकि भाग्य का आपको साथ मिलेगा और कुछ काम कम मेहनत में ही बन जाएंगे।

**धनु राशि :** यह सप्ताह आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। अचानक चारों तरफ हुई अपनी तारीफ से काफी प्रसन्न रहेंगे। धन संबंधित मामलों के लिए ये सप्ताह काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। सोच-समझकर आपके द्वारा किया गया निवेश आगे चलकर आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

**मकर राशि :** यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण रहेगा। अपनी कूटनीति से विरोधियों को परास्त करने में कामयाब होंगे। यह सप्ताह धन संबंधित मामलों के लिए अनुकूल रहेगा। कोई डील फायदे का सौदा साबित होगी। धनलाभ होगा।

**कुंभ राशि :** यह सप्ताह आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। दोस्तों और रिश्तेदारों का साथ मिलेगा। उनके साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। रोजमर्रा की जिंदगी से बोर हो गए हों तो काम से थोड़े दिन का ब्रेक लें। कहीं घूमने जाने का प्लान बनाना भी आपके लिए अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा है। अच्छे मूड में रहेंगे।

**मीन राशि :** नई नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। धन संबंधित मामलों के लिए यह सप्ताह काफी अहम रहेगा। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। किसी ऑफिशियल यात्रा पर जाकर ज्यादा आराम करना आपके काम पर असर डाल सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

**लड़कियों की डीपी देखने के बाद उन्हें सामने से देखने पर.....**

**पता चलता है कि भ्रष्टाचार सिर्फ नेता ही नहीं करते हैं।**

**शादीशुदा आदमी की जिंदगी में 'अजी सुनते हो' का अर्थ होता है.....**

**बिगबॉस चाहते हैं कि आप कन्फेशन रूम में आएं।**

**अगर आप गलती करके सुन रहे हैं तो आप ऑफिस में हैं.....अगर आप बिना गलती के सुन रहे हैं तो आप घर में हैं।**

**सोनू:** क्यों परेशान है?
**मोनू:** यार एक बात जाननी थी।
**सोनू:** कौनसी बात?
**मोनू:** योग करने से प्रेम रोग ठीक हो सकता है क्या?

# सरकारी कर्मचारियों को योगी सरकार की सौगात, केंद्र की तरह मिलेगा विशेष त्योहार पैकेज

लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र की तरह राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भी विशेष त्योहार पैकेज और उसके लिए अग्रिम भुगतान किए जाने की योजना लागू करने का फैसला किया है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। प्रवक्ता के मुताबिक यह सुविधा राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए स्वीकृत होगी और 31 मार्च 2021 तक लागू रहेगी।

इसके अन्तर्गत अधिकारियों की ओर से किसी भी महत्वपूर्ण त्योहार से पहले अपने मातहत कर्मचारियों को दस हजार रुपये का अग्रिम 'स्पेशल फेस्टिवल पैकेज' के रूप में स्वीकृत किया जाएगा जो ब्याजमुक्त होगा। इस योजना के लागू होने से राज्य सरकार पर लगभग एक हजार करोड़ रुपये का भार आएगा। उन्होंने बताया कि अग्रिम के रूप में स्वीकृत धनराशि सरकारी कर्मचारी को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जरिए दी जाएगी जिसकी वसूली अधिकतम दस किश्तों में की जा सकेगी।

उन सभी त्योहारों के लिए यह अग्रिम धनराशि स्वीकृत की जा सकेगी जो सरकार की ओर से सार्वजनिक और निर्बंधित अवकाश के रूप में घोषित हैं। भारत सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के प्रोत्साहन के लिए यह योजना लागू की है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एलटीसी सुविधा के बदले एक 'स्पेशल कैश पैकेज' की तरह राज्य के कर्मचारियों को भी दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

6000 रुपये/व्यक्ति की दर से परिवार के चार सदस्यों के लिए स्वीकृत होगा किराया

यह सुविधा राज्य सरकार के उन कर्मचारियों के लिए होगी जो 31 मार्च, 2021 तक एलटीसी सम्बन्धी पूर्व के जारी शासनादेशों के अन्तर्गत इस सुविधा का लाभ पाने के पात्र हैं और जो इस सुविधा के बदले स्पेशल कैश पैकेज प्राप्त करना चाहते हों। इस सुविधा के अन्तर्गत सम्बन्धित कर्मचारी को डेस्टिनेशन तक जाने और वापस आने के लिए 6,000 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से किराया कर्मचारी समेत उसके परिवार के चार सदस्यों के लिए स्वीकृत होगा। इसके लिए कुछ आवश्यक शर्तें भी लगाई गई हैं।

एलटीसी किराये के भुगतान जैसे ही होंगे आयकर नियम

एलटीसी के बदले स्वीकृत की जाने वाली स्पेशल कैश पैकेज की धनराशि पर आयकर के नियम उसी प्रकार लागू होंगे, जिस प्रकार एलटीसी के किराये के भुगतान पर लागू होते हैं। योजना के क्रियान्वयन से राज्य सरकार पर लगभग 960 करोड़ रुपये का व्यय भार आएगा।

# निक्की तंबोली से छनि सकता है 'कंफर्म' स्टेटस? बिग बॉस ने सिद्धार्थ शुक्ला को बुलाया

'बिग बॉस' के घर में इस बार सचमुच 'वीकएंड का वार' होना है। सीन वाकई पलटने वाला है। ऐसा इसलिए कि निक्की तंबोली से 'कंफर्म सदस्य' का टैग छिन सकता है। खास बात यह है कि इसका फैसला घरवालों को ही लेना है। यही नहीं, बिग बॉस शनिवार के एपिसोड में सीनियर सदस्य सिद्धार्थ शुक्ला को कंफेशन रूम में भी बुलाते हैं। बिग बॉस और सिद्धार्थ के बीच क्या बातें हुई हैं, यह तो नहीं पता लेकिन मामला गंभीर जरूर है।

बिग बॉस ने सिद्धार्थ शुक्ला को कंफेशन रूम में बुलाया

'वीकएंड का वार' के शिनवार के एपिसोड में बहुत कुछ होने वाला है। एक ओर जहां सलमान खान घरवालों की चिल्लम-चिल्ली पर उनकी क्लास लगाने वाले हैं, वहीं सीनियर सदस्यों के लिए दो हफ्तों का वक्त भी खत्म हो गया है। यानी सिद्धार्थ शुक्ला, हिना खान और गौहर खान को अब घर से जाना पड़ सकता है। बिग बॉस सिद्धार्थ शुक्ला को कंफेशन रूम में भी बुलाते हैं। दूसरी ओर, शनिवार के एपिसोड का जो नया प्रोमो आया है, उसमें निक्की तंबोली के सिर से कंफर्म सदस्य का ताज छिनता दिख रहा है।

घरवाले तय करेंगे निक्की कंफर्म रहेगी या नहीं दरअसल, 'बिग बॉस' में निक्की तंबोली पर अभी तक मनमानी करने। गलत तरीके से बात करने। काम नहीं करने जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इम्युनिटी पाकर वह घर की कंफर्म सदस्य भी हैं। ऐसे में 'बिग बॉस' घर में एक नया ट्विस्ट लेकर आ रहे हैं। वह घर से सभी फ्रेशर्स को यह मौका देते हैं कि वह तय करें कि क्या निक्की को कंफर्म सदस्य ही रहना चाहिए या फिर उनसे ये टैग छीन लेना चाहिए।

जैस्मनि, जान और निशांत ने निक्की को खूब सुनाया

दिलचस्प है कि वीडियो में इसके बाद जैस्मनि भसीन, जान कुमार सानू, निशांत मल्कानी निकी की कमियां गिनाना शुरू करते हैं। जैस्मनि कहती हैं कि निक्की को कंफर्म सदस्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि उनकी जुबान गंदी है। आप रोज अपनी पर्सनैलिटी चेंज करती हैं और आपका असली रंग बहुत गंदा है। जान कहते हैं कि कंफर्म होने के बाद निक्की में अहंकार आ गया है, जबकि निशांत कहते हैं कि निक्की सेल्फशि हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस ट्विस्ट के बाद निक्की की कंफर्म सदस्यता रहती है या नहीं।

...तो क्या टूट जाएगा निक्की का ग्रुप

इस ट्विस्ट के साथ ही बिग बॉस ने अंदर ही अंदर एक तगड़ा गेम भी खेला है। दरअसल गौर कीजिए तो शो में निक्की तंबोली, निशांत मल्कानी, राहुल वैद्या और पवित्रा के बीच एक ग्रुप बन गया था। लेकिन इस टास्क में जब सब निक्की को उनकी कमियां गनिाएंगे तो यकीन वह जैसी हैं, अब वह किसी ग्रुप को नहीं मानने वाली हैं। मामला दिलचस्प होता जा रहा है बॉस।

# हॉरर किलिंगः बेंगलुरु में दलित मजदूर से प्यार करने पर पिता ने भतीजों के साथ मिलकर बेटी की जान ले ली

बेंगलुरु, बेंगलुरु के मगड़ी तालुक से लापता युवती का शव मिलने के 6 दिन बाद पुलिस ने पिता और दो चचेरे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि युवती एक दलित खेतिहर मजदूर के साथ रिलेशन में थी जिसके चलते पिता ने दो भतीजों के साथ मिलकर युवती की हत्या कर दी। परिवार गुमशुदगी का मामला बताकर केस छिपाने की कोशिश कर रहा था। आरोपियों में किसान कृष्णाप्पा, उनके भतीजे चेतन उर्फ योगी (21) और 17 साल का नाबालिग भी शामिल है। तीनों बेंगलुरु से 55 किमी दूर मगड़ी के नजदीक बेताहल्ली गांव के निवासी हैं। कृष्णाप्पा ने कुदूर पुलिस में 9 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी हेमलता (18) एक बीकॉम स्टूडेंट है और एक दिन पहले से लापता है। पिता ने बेटी के प्रेमी पर लगाया था आरोप बाद में कृष्णाप्पा ने पुलिस को बताया कि गांव के पास आम के बगीचे में उसकी मौजूदगी का पता चला है। 10 अक्टूबर को युवती का सड़ा-गला शव एक गड्ढे से बरामद हुआ। कृष्णाप्पा ने हेमलता के बॉयफ्रेंड पुनीत पर हत्या का आरोप लगाया लेकिन पुलिस जांच में वह निर्दोष निकला। पूछताछ में पिता ने कबूला जुर्म पुलिस को कृष्णाप्पा पर शक हुआ और पूछताछ के लिए उसे कस्टडी में लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'पूछताछ में कृष्णाप्पा ने कबूला ने कि उसने और उसके दो भतीजों ने मिलकर हेमलता की हत्या की।' दलित से प्यार करने की सजा कृष्णाप्पा और उसके भतीजे हेमलता के दलित युवक के प्यार में पड़ने से नाराज थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'तीनों उसे आम के बगीचे में लेकर गए और पत्थर से उसके सिर को कुचल दिया। उन्होंने गड्ढे में शव को फेंककर ऊपर से मिट्टी डालकर ढक दिया।'

# एक बुजुर्ग की बेटे-बहू को धमकी, बच्चे पैदा किए तो संपत्ति से कर दूंगा बेदखल, जानें क्या है पूरा माजरा

एक कहावत तो आपने भी सुनी होगी। कहा जाता है कि मूल से ज्यादा सूद प्यारा होता है। यानी बेटे से ज्यादा पोता प्यारा होता है। लेकिन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक व्यक्ति ऐसा भी है, जो दादा नहीं बनना चाहता।

उसने अपने बेटे-बहू को धमकी दी है कि अगर उन्होंने बच्चे पैदा किए तो अपनी संपत्ति से उन्हें बेदखल कर देंगे। शादी के सात साल बाद भी बच्चे का सुख नहीं मिल पाने से दुखी बहू थक हारकर कुटुंब न्यायालय पहुंची है। उसने गुहार लगाई है कि उनके ससुर को समझाया जाए। हालांकि, छह काउंसिलिंग के बाद भी ससुर नहीं माने। अब उन्हें अगली काउंसिलिंग में बुलाने की तैयारी है। यह अजीबोगरीब मामला है भोपाल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के परिवार का। शादी के शुरुआती सालों में तो बहू ने ससुर और पति को समझाने की कोशिश की, लेकिन मामला नहीं सुलझा। समाज और परिवार के तानों से परेशान होकर आखिर बहू ने सितंबर 2020 में कुटुंब न्यायालय में आवेदन दिया। उन्होंने काउंसलर सरिता राजानी के सामने अपनी बात रखी। डेढ़ महीने से चल रही सुनवाई के बाद भी कोई हल नहीं निकला है। काउंसलर राजानी ने बेटा व बहू को अलग घर लेकर रहने की सलाह दी, लेकिन पति अपने पिता को छोड़ना नहीं चाहता है। ससुर भी मानने को तैयार नहीं हैं। सास की कई साल पहले मौत हो चुकी है। जब काउंसलर ने सेवानिवृत्त अधिकारी को बुलाया तो उन्होंने तर्क दिया कि यदि बेटे-बहू को बच्चा हुआ तो वे मेरी देखभाल नहीं करेंगे। मुझे वृद्धाश्रम में भेज देंगे। बेटे की शादी संतान उत्पत्ति के लिए नहीं की है। बेटे-बहू का पहला फर्ज मेरी सेवा करना है। मेरे मरने के बाद ये लोग संतान पैदा कर सकते हैं। यदि बहू को संतान चाहिए तो वह मेरे बेटे को तलाक देकर दूसरी शादी कर सकती है। पहली काउंसिलिंग में पति ने कहा कि पिता नहीं चाहते हैं कि कोई संतान हो। अगर हमने ऐसा किया तो वे अपनी संपत्ति से हमें बेदखल कर देंगे। हालांकि काउंसिलिंग के दौरान बहू ने वादा किया कि वह कोर्ट में शपथ पत्र देने को तैयार हैं कि बच्चा होने के बाद भी वह ससुर की सेवा करती रहेगी। इस संबंध में मनोचिकित्सक डॉ. राहुल शर्मा का कहना है कि बुजुर्ग में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। ऐसे व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन होने लगता है। सोच बदलने लगती है। इस मामले में बेटे को खुद निर्णय लेना होगा।

# सीमा विवाद खत्म करने को चीन ने रखी शर्त, भारत बोला- पैंगोंग से एक साथ हटें दोनों सेनाएं

नई दिल्ली, पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव खत्म करने को जारी बातचीत में चीन की दाल नहीं गल रही। उसने शर्त रखी थी कि पहले भारतीय सेना पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर ऐडवांस्ड पोजिशंस से वापस जाए। भारत ने चीन से दो टूक कह दिया है कि अगर सेनाएं हटेंगी तो दोनों तरफ से हटेंगी। एकतरफा ऐक्शन नहीं होगा। द इंडियन एक्सप्रेस ने उच्चपदस्थ सरकारी सूत्रों के हवाले से लिखा है कि भारत ने चीनी अतिक्रमण का जवाब देने के लिए सात जगह पर लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल को पार किया है।

ऐडवांटेज हमारे पास, इसी वजह से बिफरा है चीन

अगस्त के आखिर में भारतीय सैनिकों ने चुशूल सब-सेक्टर में अपने पैट्रोलिंग पॉइंट्स से आगे जाकर ऐडवांस्ड पोजिशंस पर पैठ बना ली थी। अब इस इलाके में भारत का दबदबा है क्योंकि न सिर्फ उसकी नजर स्पांगुर गैप पर है, बल्कि मोल्दो में चीनी टुकड़ी भी उसकी निगाह में है। इसी घटनाक्रम के बाद चीन के तेवर बदले हुए हैं। अखबार ने सूत्र के हवाले से लिखा है, 'हमने सात जगह पार की है। क्या आपको लगता है कि चीन अब भी बातचीत की मेज पर है?' उन्होंने कहा, 'ताजा बातचीत में, वे (चीनी) चाहते थे कि भारत पहले दक्षिणी तट की पोजिशंस खाली कर दे। भारत ने मांग की कि एक साथ दोनों पक्ष झील के दोनों किनारों से पीछे हटें।'

'चीन पर विश्वास नहीं होता है'

भारत और चीन के पास कोर कमांडर स्तर पर सात राउंड बातचीत हो चुकी है। राजनीतिक स्तर पर भी चीन के रुख को लेकर भारत सतर्क है। मॉस्को में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों और विदेश मंत्रियों की बातचीत के बावजूद जमीन पर चीन के तेवर नहीं बदले हैं। एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा, 'बीजिंग कहता है कि वह दोनों देशों की सीमा पर शांति और खुशहाली चाहता है। लेकिन भारत भी तो यही चाहता है। वे यह नहीं बताते कि उन्होंने इतनी संख्या में सैनिक वहां जमा क्यों किए।' उन्होंने कहा, 'कुछ भी हो सकता है। विश्वास नहीं होता चीन पर। हम किसी भी तरह की चुनौती के लिए तैयार हैं।'

भारत में ताइवान के समर्थन पर बौखलाया चीन

एलएसी पर आमने सामने हैं भारत-चीन सैनिक

भारतीय सेना के एक अधिकारी ने कहा कि अभी एलएसी पर हालात वैसे ही बने हुए हैं। लेकिन अब धीरे धीरे ठंड बढ़ रही है। कई जगह पर तापमान माइनस 10 तक पहुंच गया है और नवंबर-दिसंबर में यह माइनस 30 से माइनस 40 तक हो जाएगा। मुमकिन है कि उस वक्त चीन अपने सैनिकों की संख्या कुछ कम करे। ईस्टर्न लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे यानी फिंगर एरिया में फिंगर-4 के पास, पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे रिजांग ला, रिचिंग ला के पास भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने हैं। इसके अलावा पीपी-17 और डेपसांग एरिया में भी दोनों देशों के सैनिक आमने सामने हैं। डेपसांग में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों की पट्रोलिंग रोकी हुई है।

# लूटपाट के आरोप में व्यक्ति को बरी करने, नुकसान पहुंचाने के आरोप में दोषी ठहराने का आदेश अनुचितः उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के एक आदेश को शुक्रवार को ''अनुचित'' और ''अव्यवहार्य'' करार दिया जिसमें एक व्यक्ति को हथियार का इस्तेमाल कर लूटपाट के प्रयास के आरोप में बरी कर दिया गया, लेकिन शिकायतकर्ता के घायल होने की बात साबित न होने के बावजूद आरोपी को इस मामले में दोषी ठहरा दिया गया था। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने कहा कि सुनवाई करने वाले न्यायाधीश की बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसे सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। न्यायमूर्ति शंकर ने कहा कि वह यह कहने को विवश हैं कि दोषी ठहराने का आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्य के अनुरूप नहीं है। उच्च न्यायालय ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की निन्दा करते हुए कहा कि संबंधित फैसले में सुनाई गईं चीजें अव्यवहार्य हैं जिसमें आरोपी को भादंसं की धारा 394 के तहत शिकायतकर्ता को लूटपाट करते समय जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का दोषी ठहराया गया और चार साल कैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने यह भी कहा, ''यह प्रथम दृष्टया स्पष्ट है कि मामला आवेदक (दोषी) की सजा निलंबित किए जाने योग्य है।'' इसने दोषसिद्धि के खिलाफ आरोपी की अपील लंबित रहने तक सजा निलंबित कर दी। उच्च न्यायालय ने दोषी को राहत प्रदान करते हुए कहा कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने एक तरफ तो यह कहा कि शिकायतकर्ता को कथित तौर पर पहुंची चोट की बात साबित नहीं हुई, जिसके लिए उन्होंने इस तथ्य पर भरोसा किया कि अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद नहीं हुआ, और उसे लूटपाट के प्रयास के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन दूसरी तरफ उसे नुकसान पहुंचाने का दोषी ठहरा दिया। अदालत ने अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल के उस तर्क को भी खारिज कर दिया कि दोषी की सजा को निलंबित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह अन्य अपराधों में भी शामिल था। इसने कहा, ''यदि दोषसिद्धि का आदेश अपने आप में अव्यवहार्य है तो अदालत सजा निलंबित करने की बात से सिर्फ इस आधार पर इनकार नहीं कर सकती कि आरोपी अन्य मामलों में भी शामिल है।'' उच्च न्यायालय ने कहा कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने एक बार जब यह मान लिया कि आरोपी पर शिकायतकर्ता को चोट पहुंचाने का मामला साबित नहीं हुआ तो फिर भादंसं की धारा 394 के तहत उसकी दोषसिद्ध को व्यवहार्य नहीं माना जा सकता। आरोपी पर शिकायतकर्ता का बैग छीनने और उसपर गोली चलाने का आरोप था।

# 'सावधान इंडिया' देखकर रची पिता को जान से मारने की साजिश, जानें क्या था मकसद और कैसे आए पकड़ में

राजस्थान के उदयपुर जिले से बेटे द्वारा पिता की हत्या की हत्या की साजिश रचने का मामला सामने आया है। जिले के सुखेर इलाके में अनुकंपा पर सरकारी नौकरी पाने के लिए अपने पिता की हत्या की साजिश रची। बेटे ने अपने दोस्त को भी रुपए का लालच देकर इस घृणित साजिश में शामिल कर लिया। आरोपी बेटे ने टीवी सीरियल सावधान इंडिया के एपिसोड को देखकर हत्या करने का आइडिया सीखा, लेकिन बेटा और उसका दोस्त कानून के शिकंजे से बच नहीं सके। सुखेर थाना पुलिस ने वारदात का पर्दाफाश कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की जानकारी देते हुए उदयपुर के एसपी कैलाशचन्द्र विश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी अंकित पालीवाल निवासी नाकोड़ा नगर, कालका माता रोड उदयपुर है, जबकि दूसरा आरोपी अंकित का दोस्त निखिल है। पूछताछ में निखिल ने बताया कि वह और उसका दोस्त अंकित, दोनों बेरोजगार है। वे दोनों कई दिनों से रेस्टोरेन्ट शुरू करने की योजना बना रहे थे, लेकिन रुपए का इंतजाम नहीं हो रहा था। तब एक महीने पहले अंकित ने निखिल से कहा कि वे दोनों मिलकर उसके पापा को मार देते है। इससे अंकित को अनुकंपा पर सरकारी नौकरी भी मिल जाएगी और जो रुपया मिलेगा, उससे रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू कर देंगे।

हत्या की साजिश का आइडिया तलाश करने के लिए अंकित व निखिल ने बार-बार सावधान इंडिया के एपीसोड देखे। आखिर में योजना बनाई कि अंकित के पिता राकेश को स्कूल से घर लौटते वक्त रास्ते में मार देंगे। हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप दे देंगे। तब दोनों दोस्तों ने पहले रेकी की, फिर सुखेर में बेदला पुलिया पर वारदात को अंजाम दिया।

एसपी कैलाशचंद्र विश्नोई ने बताया कि 14 अक्टूबर को अंकित के पिता राकेश अपने स्कूल से घर लौट रहे थे। तभी डिवाइडर पर गाड़ी रुकने पर निखिल ने अपने पिता राकेश के सिर पर बड़ा पत्थर मारा। इससे वे सड़क पर गिर पड़े। हेलमेट पहना होने से उनकी जान बच गई। तब निखिल ने दूसरा पत्थर भी मारा। तभी पीछे से गाड़ियां आ गई। इससे घबराकर निखिल स्कूटी लेकर भाग गया। अंकित को बताया कि काम नहीं हुआ। इसके बाद वे दोनों अंकित की प्रेमिका के घर पर खेरादीवाड़ा चले गए।

# दिवाली-छठ में रेल यात्रियों को नहीं होगी परेशानी, जानें कहां से कहां चलेंगी ये 12 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

दुर्गा पूजा, दिवाली समेत आगामी त्योहारों को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को राहत दी है। आगामी त्योहारों का देखते हुए पश्चिमी रेलवे ने 12 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) ने कहा है कि दशहरा और दीपावली त्योहारों को देखते हुए यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 जोड़ी विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी, जो 156 फेरे लगाएंगी। डब्ल्यूआर ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि इन 12 जोड़ी विशेष रेलगाड़ियों में से पांच जोड़ी ब्रांदा टर्मिनस से, दो-दो जोड़ी इंदौर और उधना से वहीं एक-एक जोड़ी ओखा, पोरबंदर और गांधीधाम स्टेशनों से चलेंगी। विज्ञप्ति के अनुसार, 'सभी रेलगाड़ियां विशेष रेलगाड़ियों के तौर पर चलाई जाएंगी और उनका विशेष किराया होगा।' ये रेलगाड़ियां पूरी तरह से आरक्षित होंगी और इनके लिए बुकिंग 17 से 22 अक्टूबर के बीच प्रारंभ हो जाएगी।

बता दें कि देश के अलग-अलग हिस्सों से त्योहारों को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अलग-अलग जोन के रेलवे मंडल यात्रियों को राहत देने के लिए ये फैसले ले रहे हैं। इसके अलावा, दशहरा एवं दीपावली त्योहारों के दौरान पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ के सुचारू समायोजन हेतु विभिन्न गंतव्यों के लिए आठ जोड़ी त्योहार विशेष ट्रेनों की 240 सेवाओं के परिचालन का निर्णय लिया गया है। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने यहां शुक्रवार को बताया कि यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न गंतव्यों के लिए आठ जोड़ी त्योहार विशेष ट्रेनें चलाई जायेंगी। विशेष ट्रेनों में से छह जोड़ी ट्रेनें मुंबई से और एक जोड़ी इंदौर से चलेंगी, जबकि एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन पश्चिम रेलवे से गुज़रते हुए वसई रोड, सूरत, वडोदरा और रतलाम स्टेशनों पर रुकेगी।

# मध्य प्रदेश में अवैध कॉलोनियां अभी नहीं होंगी वैध, जानें क्या है वजह

मध्य प्रदेश की 6800 से ज्यादा अवैध कॉलोनियां फिलहाल वैध नहीं होंगी। राज्य सरकार ने अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण का प्रावधान खत्म कर दिया है। नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह के मुताबिक 3 जून 2019 को हाईकोर्ट ने इस धारा पर आपत्ति जताते हुए अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण पर रोक लगा दी थी। इसके बाद नगरीय प्रशासन ने एडवोकेट जनरल से राय ली और प्रावधान को विलोपित करने का फैसला लिया। सरकार अब इसके नए नियम बनाने जा रही है, जिसे विधानसभा में एक्ट के रूप में लाने के बाद लागू किया जाएगा। इसके बाद अवैध कॉलोनी को वैध करने की प्रक्रिया शुरू होगी। नगरीय प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि इस धारा के विलोपित होने के बाद अब अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण का कोई प्रावधान अधिनियम में नहीं बचा है। कोर्ट ने सरकार की मंशा पर कोई विपरीत टिप्पणी नहीं की थी। उसने तकनीकी रूप से कहा था कि क्योंकि ये प्रावधान अधिनियम में नहीं है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी रजिस्ट्रीकरण, निर्बंधन व शर्त नियम 1998 की धारा 15-ए को खत्म किया है। इसमें 30 जून 1998 तक की अवैध कॉलोनियों को वैध करने का प्रावधान था। बाद में इसी धारा के तहत 30 जून 2002, 30 जून 2007, 21 दिसंबर 2012 और 31 दिसंबर 2016 तक की अवैध कॉलोनियों का नियमितीकरण हुआ। सरकार ने 6800 से ज्यादा अवैध कॉलोनियों को वैध करने का फैसला लिया। 1800 कॉलोनियों से विकास शुल्क लेकर नियमितीकरण की कार्रवाई भी शुरू हुई, लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद इस पर रोक लग गई।

# SPORTS खेल जगत

## एबी डीविलियर्स की ताबड़तोड़ फिफ्टी, कीरोन पोलार्ड की कर ली बराबरी

इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 82 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। आरसीबी की इस जीत के हीरो रहे एबी डीविलियर्स जिन्होंने 33 गेंद पर 73 रनों की नॉटआउट पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। डीविलियर्स ने 23 गेंदों पर पचासा ठोका और सबसे ज्यादा बार 23 या उससे कम गेंद पर पचासा ठोकने के मामले में उन्होंने मुंबई इंडियंस के कीरोन पोलार्ड की बराबरी कर ली है।

पोलार्ड छह बार ऐसा कर चुके हैं और अब उनके साथ डीविलियर्स भी इस लिस्ट में टॉप पर हैं। इसके बाद वीरेंद्र सहवाग, यूसुफ पठान, डेविड वॉर्नर और क्रिस गेल का नाम आता है। सहवाग ने पांच बार ऐसा किया है, जबकि बाकी तीन ने चार-चार बार ऐसा किया है। डीविलियर्स ने 73 रनों की पारी के दौरान पांच चौके और छह छक्के लगाए। डीविलियर्स के खाते में अब 225 आईपीएल छक्के हो गए हैं। 220 से ज्यादा आईपीएल छक्के लगाने वाले डीविलियर्स महज दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले क्रिस गेल ऐसा कर चुके हैं। गेल के खाते में 326 छक्के हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के के मामले में महेंद्र सिंह धोनी तीसरे नंबर पर हैं, जो 214 छक्के लगा चुके हैं।

मैच की बात करें तो आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 194 रन बनाए।

विराट और एबीडी के बीच तीसरे विकेट के लिए 100 रनों की अटूट साझेदारी हुई। कप्तान विराट कोहली 28 गेंद पर 33 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। विराट ने अपनी पारी के दौरान महज एक चौका लगाया। आरसीबी के 195 रनों के लक्ष्य के जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 112 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ आरसीबी के खाते में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बराबर 10 प्वॉइंट्स हो गए हैं, लेकिन नेट रनरेट के आधार पर आरसीबी तीसरे पायदान पर है।

## इयोन मोर्गन को टूर्नामेंट के बीच में कप्तान बनाए जाने पर भड़के गौतम गंभीर, कहा- नहीं बदल पाएंगे कुछ

इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटरडर्स की टीम का अबतक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। टीम ने इस सीजन खेले 8 मैचों में से 4 में जीत दर्ज की है, जबकि इतने ही मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

मुंबई के खिलाफ खेले गए मैच से पहले केकेआर के फैन्स को उस समय बड़ा झटका लगा था, जब 2 साल से टीम की कप्तानी कर रहे दिनेश कार्तिक ने बीच टूर्नामेंट में कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया। कार्तिक की जगह इयोन मोर्गन को बाकी सीजन के लिए टीम का नया कप्तान बनाया गया है। इसी

बीच, केकेआर को दो बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले गौतम गंभीर ने मोर्गन को कप्तान बनाए जाने पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि वो इस सीजन ज्यादा कुछ बदल नहीं पाएंगे। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो में कहा, 'क्रिकेट में रिलेशनशिप नहीं आपका प्रदर्शन काफी मैटर करता है और अगर सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि मोर्गन ज्यादा कुछ बदल पाएंगे। वो काफी कुछ बदल सकते थे, अगर उन्होंने टीम की कप्तानी टूर्नामेंट के शुरुआत से की होती। कोई भी टूर्नामेंट के बीच में ज्यादा कुछ नहीं बदल सकता है। यह अच्छी बात है कि कप्तान और कोच के बीच में अच्छे संबंध है।' गंभीर ने दिनेश कार्तिक के बीच टूर्नामेंट में कप्तानी छोड़ने पर कहा, 'मैं काफी सरप्राइज हूं, वो पिछले 2 साल से टीम की कप्तानी कर रहे हैं और उनको ऐसे बीच टूर्नामेंट में कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए थी। केकेआर की टीम इस सीजन भी कोई बुरी स्थिती में नहीं है कि किसी को कप्तानी छोड़नी पड़ जाए, बिल्कुल मैं काफी सरप्राइज हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर केकेआर की टीम को बदलाव करना ही था, तो उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में ही कप्तानी मोर्गन को सौंप देनी चाहिए थी। अगर आप इस बार को बहुत ज्यादा बातचीत कर रहे हैं कि आपकी टीम में एक विश्व विजेता कप्तान है तो आप दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ी पर अधिक प्रेशर डाल रहे हैं आपको शुरुआत में ही कप्तानी मोर्गन को दे देनी चाहिए थी, कार्तिक के ऊपर इतना दबाव बनाने का क्या मतलब है?' गंभीर ने मैनेजमेंट पर सवाल उठाते हुए कहा, 'मेरा पॉइंट सिर्फ इतना है यह सुनने में काफी अच्छा लगता है जब कोई कहता है कि वो अपनी बल्लेबाजी पर फोकस करना चाहता है, लेकिन सच तो यह है कि आपको मैनेजमेंट की तरफ से इशारों में पता लगने लगता है कि वो आपके प्रदर्शन से खुश हैं या नहीं, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है।'

## आरसीबी को टॉप 3 में पहुंचाने में वॉशिंगटन सुंदर का रहा है बड़ा रोल

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर आरसीबी की टीम का प्रदर्शन अबतक काफी शानदार रहा है। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मिली जीत के साथ टीम प्वॉइंट टेबल में टॉप तीन में पहुंच गई है। शुरुआती मुकाबलों में टीम ने बल्लेबाजी के दम पर जीत दर्ज की थी, लेकिन पिछले कुछ मैचों में टीम के गेंदबाजों ने भी गेंद से लाजवाब प्रदर्शन करके दिखाया है। हालांकि, आरसीबी की तरफ वॉशिंगटन सुंदर ऐसे गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने पहले मैच से ही टीम की जीत में अहम योगदान दिया है। इस पोस्ट में आपको बताएंगे कैसे सुंदर ने अपनी घूमती गेंदों से बैंगलोर की किस्मत को इस सीजन पलटा है। वॉशिंगटन ने आईपीएल 2020 में खेले 7 मैचों के अंदर भले ही सिर्फ 5 विकेट चटकाए हो, लेकिन इर दौरान उनका इकॉनमी महज 4.90 का रहा है। सुंदर कप्तान कोहली का इस सीजन सबसे बड़ा हथियार साबित हुए हैं, विराट ने उनका शुरुआत से ही पावरप्ले में इस्तेमाल किया है। सुंदर पावरप्ले में गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों को हाथ खोलने का कोई मौका नहीं देते हैं, जिसके चलते बल्लेबाजों पर बड़े शॉट्स लगाने का दबाव बढ़ता है और वो अपना विकेट तोहफे के तौर पर देकर चलते बनते हैं। वॉशिंगटन द्वारा बनाए गए प्रेशर का फायदा टीम के अन्य गेंदबाजों को भी मिलता है। सुंदर बीच के ओवरों में भी आकर रनों की गति पर लगाम लगाने में कामयाब रहते हैं, जिसके चलते आरसीबी सामने वाली टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने नहीं देती है।

## दिनेश कार्तिक के टीम की कप्तानी छोड़ने पर आकाश चोपड़ा का बड़ा बयान, कहा- उनसे कैप्टेंसी छीनी गई है

दो साल से ज्यादा तक कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी संभालने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने शनिवार को कप्तानी छोड़ दी। उन्होंने यह फैसला मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले किया जिसमें टीम को मुंबई के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दिनेश कार्तिक के इस हैरान कर देने वाले फैसले से कई दिग्गज क्रिकेटरों को अचंभा हुआ। कार्तिक के मुताबिक उन्होंने यह फैसला अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान लगाने के लिए लिया। इस पूरे मामले पर टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में आईपीएल में कमेंट्री कर रहे आकाश चोपड़ा ने अपना बयान दिया है।

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि दिनेश कार्तिक खुद कप्तानी से नहीं हटे हैं बल्कि उन्हें टीम मैनेजमेंट ने हटाया है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बीच सीजन में कप्तानी नहीं छोड़ना चाहता। आकाश ने आगे कहा कि केकेआर ने कार्तिक से कप्तानी छीनी है, हालांकि ऐसा ऑफिशियल तौर पर नहीं कहा गया है लेकिन ऐसा हमेशा कहा जाता है कि खिलाड़ी अपनी टीम की कप्तानी नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने इस मामले में कार्तिक से बात नहीं की है लेकिन खबरों के मुताबिक ऐसा कहा गया कि वो अब कप्तान नहीं बनना चाहते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल में प्रदर्शन पर आकाश ने कहा कि टीम इस समय अच्छा कर रही है। टीम ने अब तक खेले आठ मैचों में से चार में जीत दर्ज की है जबकि चार में हार का सामना करना पड़ा है। प्वॉइंट टेबल में इस समय टीम आठ प्वॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर है। टीम को अगला मैच अब रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है। यह मैच अबुधाबी में खेला जाएगा।

गौरतलब है कि आईपीएल के इतिहास में यह 9वां मौका है, जब किसी कप्तान ने टूर्नामेंट के बीच में टीम की कप्तानी छोड़ी है। पिछले साल राजस्थान रॉयल्स ने अजिंक्य रहाणे को कप्तानी से हटाकर स्टीव स्मिथ को नए कप्तान बना दिया था। आईपीएल में सबसे पहले टूर्नामेंट के बीच में कप्तानी छोड़ने वाले कप्तान वीवीएस लक्ष्मण थे। उनकी जगह डेक्कन चार्जर्स की कमान एडम गिलक्रिस्ट को दे दी गई थी।

# देश परदेश

## फ्रांस में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाने वाले शिक्षक का रेता गला, लगाए अल्लाह हू अकबर के नारे

फ्रांस में एक मिडिल स्कूल के टीचर की स्कूल के पास ही गला रेतकर हत्या कर दी गई। उस टीचर ने इस महीने की शुरुआत में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाया था। फ्रांस के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ऐसा माना जा रहा कि उस युवक ने उसे पैगंबर का अपमान मान लिया था। अभियोजन अधिकारी के कार्यालय ने कहा कि इस मामले की आतंकवादी नजरिए से जांच शुरू कर दी गई है। यह जघन्य वारदात एरागनी नगर में हुई है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि चाकू और एक एयरसॉफ्ट बंदूक से लैस संदिग्ध को पुलिस ने गोली से उड़ाया। हत्यारे ने पहले अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए और फिर शिक्षक का गला रेत दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा- 'आज हमारे एक नागरिक इसलिए मारे गए क्योंकि वह पढ़ा रहे थे, वह अभिव्यक्ति की आजादी के बारे में पढ़ा रहे थे।' मैक्रों ने कहा, 'हमारे हमवतन पर बड़े पैमाने पर हमला किया गया, क्या वह एक इस्लामी आतंकवादी हमले का शिकार हुआ।' 'वे नहीं जीतेंगे। हम कार्रवाई करेंगे। दृढ़ता से और जल्दी से। आप मेरे दृढ़ संकल्प पर भरोसा कर सकते हैं।' स्थानीय मीडिया के मुताबिक, राजधानी पेरिस के एक स्कूल में टीचर सैमुअल ने बच्चों को अभिव्यक्ति की आजाद के बारे में पढ़ाते हुए पैगंबर का कार्टून दिखाया था। इससे हमलावर बेहद नाराज था। वह तेज धारदार चाकू लेकर पहुंचा और अल्लाह हू अकबर के नारे लगाते हुए शिक्षक का गला रेत दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन हमलावर ने सरेंडर करने की बजाय पुलिस को उल्टा डराने की कोशिश की। जिसके बाद पुलिस की जवाब कार्रवाई में वह व्यक्ति मारा गया। पुलिस ने हमलावर की पहचान तो नहीं बताई लेकिन इतना जरूर बताया कि वह 18 वर्षीय संदिग्ध इस्लामिक आतंकी था, जो मॉस्को में पैदा हुआ था। पुलिस का कहना है कि आरोपी की बच्ची भी उसी स्कूल में पढ़ती थी।

## रिपब्लिकन सीनेटर ने चुनावी रैली में उड़ाया हैरिस के नाम का मजाक

रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर डेविड परड्यू ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी के समर्थन में जॉर्जिया में हुई एक चुनावी रैली में डेमोक्रेटिक पार्टी की उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का लगातार गलत नाम ले कर उनका मजाक उड़ाया। शुक्रवार को मेकन में एक रैली में परड्यू ने हैरिस के लिए कहा ''काह-मह-ला? कमला- मला-मला? पता नहीं क्या है। उनके यह कहते ही दर्शक हंसने लगे। परड्यू के प्रवक्ता ने कहा कि उनका ऐसा कोई अभिप्राय नहीं था।

प्रमुख सियासी दल के टिकट पर उम्मीदवारी पाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं हैरिस के नाम का उनके राजनीतिक विरोधी बार-बार गलत उच्चारण करते हैं। ट्रंप और उप राष्ट्रपति माइक पेंस भी हैरिस का नाम गलत तरीके से ले चुके हैं।

सिर्फ रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य ही नहीं बल्कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा समेत कुछ डेमोक्रेट सदस्य भी उनके नाम का गलत उच्चारण कर चुके हैं। हैरिस की प्रवक्ता सबरीना सिंह ने परड्यू की टिप्पणियों के जवाब में एक ट्वीट किया, ''यह तो बहुत अधिक नस्लवादी है। मतदान करके उन्हें बाहर करो। परड्यू के अभियान की प्रवक्ता केसी ब्लैक ने ट्वीट किया जिसमें कहा कि सीनेटर परड्यू ने ''सीनेटर हैरिस के नाम का गलत उच्चारण गलती से किया।

## क्या रेमडेसिविर दवा से बच सकती है कोरोना मरीजों की जान?

कोरोना के गंभीर मरीजों के इलाज में अब तक सबसे कारगर मानी जा रही रेमडेसिविर समेत कई दवाएं क्लीनिकल परीक्षण में विफल पाई गई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने परीक्षण के शुरुआती नतीजे जारी करते हुए बताया कि यह दवा गंभीर मरीजों की जान बचाने में असफल साबित हुई। भारत ही नहीं, दुनिया के लगभग 50 देशों में इसी दवा से कोरोना के गंभीर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप को भी रेमडेसिविर का इंजेक्शन लगाया गया था।

कई दवाएं बेकार

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, रेमडेसिविर के अलावा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, एचआईवी एड्स की दवा लोपिनाविर/रीटनावीर और इंटरफैरॉन भी कारगर नहीं पाई गईं। 28 दिन तक इलाज के बाद भी कोरोना मरीजों को मरने से बचाने में कोई फायदा नजर नहीं आया। अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों की सेहत पर भी इन दवाइयों का कोई खास असर नहीं दिखा। इन्ही दवाओं का इस्तेमाल अभी तक मरीजों के इलाज के लिए किया जा रहा था।

सबसे बड़ा परीक्षण

छह महीने तक 30 से ज्यादा देशों में 11,266 मरीजों पर यह शोध किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह दुनिया का सबसे बड़ा रैंडम ट्रायल था, जिसमें मौजूदा दवाइयों के कोराना के इलाज में प्रभाव की जांच की गई। जानने की कोशिश की गई कि अलग-अलग दवाओं के उपचार से मृत्युदर पर क्या असर पड़ रहा है। दवा का इस्तेमाल करने वाले लोगों को कितने दिन वेंटिलेटर पर रखना पड़ा, कितने दिन आईसीयू में रखना पड़ा और क्या दवा से उनकी जान बचाई जा सकी या नहीं। हालांकि, अभी यह शुरुआती नतीजे हैं, इनका पुनः मूल्यांकन किया जाएगा।

उम्मीद जगाने वाले थे शुरुआती नतीजे

कोरोना की तबाही झेल रही दुनिया को मई में जब पता चला कि रेमडेसिवीर एंटीवायरल दवा मरीजों की जान बचाने में असरदार साबित हो रही है तो बड़ी उम्मीदें पैदा हो गई थीं। शुरुआती जांच से पता चला कि यह दवा संक्रमितों को जल्दी ठीक कर सकती है। कुछ मामलों में ऐसा हुआ भी था। इसके बाद लगभग सभी देशों में इस दवा से मरीजों का इलाज करने की अनुमति दे दी गई। मांग ज्यादा होने की वजह से कई जगह इसकी कालाबाजारी भी शुरू हो गई थी।

कई बीमारियों में असरदार

रेमडेसिवीर दवा पहले इबोला वायरस, मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (मर्स) और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (सार्स) के खिलाफ भी असरदार पाई गई थी। तमाम मरीजों का इस दवा से इस्तेमाल किया जा रहा था।

डब्ल्यूएचओ की राय

जून में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और लोपिनाविर/रीटनाविर को अप्रभावी पाया गया था, जिसके बाद इससे इलाज न करने की सलाह दी गई थी। हालांकि, 500 से अधिक अस्पतालों में इन दवाओं का परीक्षण किया जा रहा था। अब हमारी नजर मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज पर टिकी हुई है। कुछ दिनों में नतीजे आ जाएंगे और उम्मीद करते हैं कि कोई कारगर दवा हमें मिल पाएगी।

सौम्या स्वामीनाथन, मुख्य वैज्ञानिक डब्ल्यूएचओ

वैज्ञानिकों ने चिंता जताई

जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी विभाग में एक एसोसिएट रिसर्च प्रोफेसर जूली फिशर के अनुसार यह निश्चित रूप से निराशाजनक है। एक दवा जो पहले से ही अस्तित्व में है, जो सुरक्षित है और रोगियों में प्रभावी रूप से काम करती है, दुर्भाग्य से इस मामले में कारगर नहीं हुई।

कंपनी परीक्षण कर रही

रेमडेसिवीर दवा बनाने वाली कंपनी गिलियड साइंस ने नतीजों पर चिंता जताई। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि अभी सही समीक्षा नहीं की गई है। एक ओपन लेबल परीक्षण का मतलब है कि शोधकर्ता व मरीज दोनों को पता है कौन सी दवा दी जा रही है। इसलिए शायद नतीजे उतने आशाजनक नहीं मिले। हम आखिरी नतीजों का इंतजार करना चाहेंगे।

कितनी बड़ी मुश्किल

कोरोना की अब तक कोई कारगर दवा नहीं है। करीब 100 दवाओं का इस्तेमाल किया जा चुका है लेकिन कोई दवा प्रभावी नहीं पाई गई है। बीते दिनों रेमडेसिवीर, हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, डेक्सामेथासोन जैसी दवाओं से मरीजों के ठीक होने की बात कही गई थी। कुछ नतीजे भी सकारात्मक मिले थे, इसके बाद दुनियाभर की सरकारों ने गंभीर मरीजों को यह दवा देने की अनुमति दी थी। अब अगर यह भी कारगर नहीं तो इलाज के लिए कोई दवा नहीं होगी।

भारत में 937 प्रतिभागी

इस बीच आईसीएमआर ने शुक्रवार को कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के तत्वावधान में आयोजित सॉलिडैरिटी थेरेप्यूटिक्स ट्रायल में एक सक्रिय भागीदार था। परीक्षण में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, एचआईवी की दवा लोपिनाविर/रीटनावीर व इंटरफैरॉन कारगर नहीं पाई गईं। कोरोना के किसी भी समूह में रेमेडिसविर का कोई लाभ नहीं है। एपेक्स हेल्थ रिसर्च बॉडी ने कहा कि इससे पहले आईसीएमआर ने कोरोना के इलाज में इसका कोई फायदा नहीं होने का संकेत देते हुए प्लाज्मा के लिए प्लासिड ट्रायल किया था। आईसीआरआर-डिवीजन महामारी विज्ञान और संचारी रोग के प्रमुख समीर पंडा ने कहा कि परीक्षण में भारत में 937 प्रतिभागी शामिल थे। हम इन महत्वपूर्ण निष्कर्षों पर योगदान देने के लिए परीक्षण प्रतिभागियों और उनके परिवारों के आभारी हैं।

# मिथुन चक्रवर्ती के बेटे महाक्षय पर लगा रेप और गर्भपात का आरोप, बहू मदालसा ने कही यह बात

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे महाक्षय के खिलाफ एक महिला ने दुष्कर्म, जबरदस्ती गर्भपात और धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इस मामले पर मिथुन चक्रवर्ती की बहू यानी कि महाक्षय की पत्नी मदालसा का रिएक्शन सामने आया है। मदालसा से जब इस बारे में पूछा तो उनका कहना है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। इतना ही नहीं, मदालसा ने तो यह भी कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता।

स्पॉटबॉय से बात करते हुए मदालसा ने कहा, केस दर्ज हुआ है किस चीज के लिए? इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। इसके बाद जब मदालसा को बताया गया कि उसी महिला ने आरोप लगाया है जिसने पहले भी महाक्ष्य पर रेप और उनकी मां पर धमकाने का आरोप लगाया था। तो मदालसा ने कहा, 'वो सब पुरानी कहानी हैं। वो सब 3 साल पहले की बात है'।

मदालसा को फिर बताया गया कि उनके पति और सास के खिलाफ फिर शिकायत दर्ज हुई है तो उन्होंने कहा, 'हमें इस शिकायत के बारे में अभी तक कुछ नहीं पता है।'

क्या कहा महिला ने

वहीं, महिला ने मिथुन की पत्नी योगिता बाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह महाक्षय चक्रवर्ती के साथ 2015 से लेकर 2018 तक रिलेशनशिप में थीं। उस दौरान उन्होंने वादा किया था कि मुझसे शादी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि एक बार वह अंधेरी वेस्ट के आदर्श नगर में स्थित महाक्षय के प्लैट को देखने के लिए गई थीं, जिसे उन्होंने साल 2015 में खरीदा था। जब वह वहां गईं तो महाक्षय ने सॉफ्ट ड्रिंक में नशीली दवा मिलाकर दी और उनके साथ जबरदस्त शारीरिक संबंध बनाने के लिए फोर्स किया।

उन्होंने आगे कहा कि पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह प्रेग्नेंट हो गई थीं। महाक्षय ने उनसे गर्भपात कराने के लिए कहा। इसके लिए महाक्षय ने उन्हें दवाई भी दी। वह अक्सर महाक्षय से शादी के बारे में पूछा करती थीं, लेकिन जनवरी, 2018 में उन्होंने कहा कि वह उनसे शादी नहीं कर सकते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। पीड़िता ने कहा कि जब उन्होंने महाक्षय को कॉल किया था तो उनकी मां योगिता बाली ने उन्हें धमकी दी थी।

# भोजपुरी अभिनेता सुदीप पांडे को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का मुंबई का महासचिव नियुक्त किया गया

मुंबई। भोजपुरी के सुपरहिट स्टार व बहुमुखी प्रतिभाशाली अभिनेता सुदीप पांडे को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुंबई कार्यालय में प्रफुल्ल पटेल, जयंत पाटिल जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में 13अक्टूबर 2020 को शामिल किया गया।और 14 अक्टूबर 2020 को एनसीपी के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष श्री नवाब मालिक द्वारा सुदीप पांडे को मुंबई के महासचिव के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर नवाब मलिक, रोहित पवार,संजय तटकरे,रविंद्र मानगावे व अन्य लोग उपस्थित थे। और साथ ही साथ सुदीप पांडे को आगामी बिहार चुनावों के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर सुदीप पांडे ने कहा,'शरद पवार जी, प्रफुल्ल पटेल जी,जयंत पाटिल जी,अजीत पवार जी,सुप्रिया सुले मैडम,अनिल देशमुख सर,छगन भुजबल सर,नवाब मालिक जी व सभी पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्त्ताओं को इसके लिए धन्यवाद देता हूँ। महाराष्ट्र के विकास में शरद पवार जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने इसके विकास के लिए अपने जीवन के 50 से अधिक वर्षों का योगदान दिया है। मुझे एनसीपी परिवार का एक हिस्सा होने पर गर्व महसूस होता है और मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी लगन और ईमानदारी से निभाने की पूरी कोशिश करूँगा और निभाउंगा। लगता है कि सुदीप पांडे के साथ ही पार्टी को एक उत्तरभारतीय का नए और युवा चेहरे की तलाश पूरी हुई।एनसीपी में ज्यादातर पढ़े लिखे व अच्छे लोग है। इसलिए सुदीप पांडे को लिया जोकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। भोजपुरी के सुपरहिट एक्शन हीरो सुदीप पांडे ने सुपरहिट भोजपुरी फिल्म 'भोजपुरिया भैया' के साथ अपना करियर फ़िल्मी कैरियर शुरू किया था। वैसे इससे पहले वे 'मसीहा बाबू','सौतना', 'शराबी','कुर्बानी'इत्यादि जैसी 40 भोजपुरी फिल्मों में बतौर हीरो काम कर चुके है। उनकी हिंदी पहली हिंदी फीचर फिल्म,'वी फॉर विक्टर' थी,जोकि काफी चर्चित रही।

# नेहा कक्कड़ की शादी के बाद दूल्हा बनेंगे आदित्य नारायण, बताया कब करेंगे गर्लफ्रेंड श्वेता से शादी

आदित्य नारायण ने गर्लफ्रेंड श्वेता के साथ अपनी शादी की डेट की अनाउंसमेंट कर दी है। आदित्य ने बताया कि वह 1 दिसंबर को शादी करने वाले हैं। आदित्य ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि कोविड 19 की वजह से वह सिर्फ परिवार और करीबी दोस्तों के बीच शादी करेंगे क्योंकि महाराष्ट्र में 50 से ज्यादा मेहमान की अनुमति नहीं है। आदित्य ने यह भी बताया कि वह कैसे श्वेता के साथ शादी करने वाले हैं। आदित्य ने स्पॉटबॉय को दिए इंटरव्यू में कहा, हम मंदिर में बहुत ही सिंपल तरीके शादी करेंगे। आगे सिचुएशन बेहतर होती है तो हम तब बड़ी रिस्पेशन पार्टी देंगे। वहीं एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में आदित्य ने श्वेता के साथ अपनी पहली डेट के बारे में बात की। आदित्य ने बताया कि दोनों की मुलाकात फिल्म शापित के सेट पर हुई थी। एक दिन मैंने श्वेता को बोला कि साथ में लंच करते हैं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। फिर मेरी मां ने श्वेता को समझाया था कि हम दोनों साथ में काम कर रहे हैं तो हमें लंच पर जाना चाहिए। हम साथ में गए, लेकिन वह वहां मुंह फुलाए बैठी थी। श्वेता, आदित्य को समझती थीं वुमनाइजर आदित्य ने बताया कि शुरुआत में श्वेता को वह वुमनाइजर लगते थे। श्वेता को लगता था आदित्य लड़कियां घुमाते हैं। लेकिन जब श्वेता ने आदित्य को अपने परिवार के साथ देखा तो तब उन्हें समझ आया कि आदित्य एक फैमिली मैन हैं। इसके बाद श्वेता को एहसास हो गया था कि मुझे भी रिश्तों की कद्र है। दोस्त नेहा की भी होगी शादी वैसे बता दें कि आदित्य की दोस्त नेहा कक्कड़ भी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ दिनों पहले ही नेहा ने रोहनप्रीत के साथ अपना रिलेशनशिप कन्फर्म किया है। वहीं खबरों की मानें तो नेहा 24 अक्टूबर को पंजाब में रोहनप्रीत से शादी कर सकती हैं।

# मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के चाचा संजय कपूर को खास अंदाज में दी बर्थडे की बधाई, फोटो हुई वायरल

संजय कपूर का आज बर्थडे है। संजय, अर्जुन कपूर के चाचा हैं।

अर्जुन के चाचा के बर्थडे पर मलाइका अरोड़ा ने स्पेशल पोस्ट किया है। मलाइका ने संजय के साथ एक कूल फोटो शेयर कर लिखा, हैप्पी बर्थडे सबसे यंग, गुड लुकिंग और एनरजेटिक कपूर। वहीं अर्जुन ने भी अपने चाचू को बर्थडे विश करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे चाचू, आप हमेशा ऐसी ही हंसते रहें जैसे इस फोटो में हंस रहे हैं।

मलाइका की अर्जुन के परिवार के साथ अच्छी बॉन्डिंग है। वह अर्जुन और उनके चाचा-चाची यानी संजय कपूर और उनकी पत्नी के साथ वेकेशन पर भी गई थीं।

वेकेशन से सभी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। बता दें कि कुछ दिनों पहले अर्जुन और मलाइका दोनों कोरोना से संक्रमित हो गए थे। हालांकि अब दोनों ठीक हो गए हैं और हाल ही में दोनों साथ में नजर भी आए थे।

कुछ दिनों पहले फैन्स के साथ बातचीत के दौरान अर्जुन से पूछा गया कि वह मलाइका से शादी कब कर रहे हैं? अर्जुन ने कहा था, 'मैं जब शादी करूंगा तो सबको बताऊंगा। शादी को लेकर अभी कोई प्लानिंग नहीं है और अगर मैं अभी शादी करने का प्लान करता भी हूं, तो वह ऐसे समय में मुमकिन नहीं। हम दोनों ने अभी तक शादी के बारे में सोचा नहीं है। लेकिन जैसे मैं हमेशा कहता आया हूं कि मैं जब शादी करूंगा तो बताऊंगा। हम कुछ भी छुपाएंगे नहीं, बल्कि सभी को बताकर शादी करेंगे।'

इसके अलावा अर्जुन से फैन ने पूछा था की मलाइका बाकी के लोगों में अलग कैसे हैं, उनके लिए। इस पर एक्टर ने जवाब दिया था कि आप जब किसी से प्यार करते हैं तो इस सवाल का जवाब देना इसलिए मुश्किल हो जाता है क्योंकि केवल एक ही चीज उन्हें दूसरों से अलग नहीं करती है। बल्कि, कई सारी बातें करती हैं। मुझे लगता है कि मलाइका मुझे समझती हैं और मेरे साथ वह काफी धीरज रखती हैं। मैं एक ऐसा इंसान हूं जिसके साथ रहना काफी मुश्किल भरा हो सकता है। मैं बिलकुल आराम से नहीं रह पाता हूं। ऐसे में मलाइका का धीरज रखना वह भी मेरे साथ, मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

# अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' का गाना बुर्ज खलीफा का टीजर हुआ रिलीज, इस दिन आएगा पूरा गाना

अक्षय कुमार अपनी फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब को लेकर काफी समय में चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को बैन करने की मांग और तमाम विवादों के बाद इसका पहला गाना रिलीज होने जा रहा है। लक्ष्मी बॉम्ब का पहला गाना बुर्ज खलीफा रविवार को रिलीज होने वाला है। अक्षय कुमार ने बुर्ज खलीफा का टीजर आज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है।

बुर्ज खलीफा नाम का यह गाना एक पार्टी सॉन्ग है। टीजर में अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी दुबई और उसके आसपास रोमांस करते हुए नजर आ रहे हैं। यह गाना रविवार को रिलीज होने वाला है। इसका टीजर अक्षय कुमार ने अपने इंस्टग्राम से शेयर किया है और लिखा, 'साल का पहला और सबसे बड़ा पार्टी सान्ग'।

16-सेकंड के इस टीजर में अक्षय पिंक ब्लेजर में नजर आ रहे हैं। साथ में कियारा अपने ग्लैमरस अंदाज में डांस कर रही हैं। इसके साथ ही कुछ सीन में अक्षय और कियारा रोमांस करते हुए भी नजर आ रहे हैं। गाने में बुर्ज खलीफा भी नजर आ रहा है। क्या है फिल्म की स्टोरी

फिल्म की स्टोरी की बाते करें तो यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में अक्षय ट्रांसजेंडर महिला का किरदार भी निभाते हुए दिखेंगे। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे अक्षय, लक्ष्मी का अवतार लेते हैं। अक्षय कुमार ट्रेलर में कहते हैं कि जिस दिन उनके सामने भूत आएगा वह चूड़ियां पहन लेंगे। इसके बाद उनके साथ अजीबो-गरीब चीजें होती हैं और एक दिन वह साड़ी और चूड़ी पहन लेते हैं। यह फिल्म राघव लॉरेंस द्वारा निर्देशित है जिसमें तुषार कपूर, शरद केलकर और अश्विनी कालसेकर भी हैं।

बता दें कि लक्ष्मी बॉम्ब 9 नवंबर को डिज्नी और हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है। पहले फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन कोरोनोवायरस के कारण इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया था।

# प्रभास की फिल्म राधे-श्याम का मोशन पोस्टर इस खास दिन पर होगा रिलीज, मेकर्स ने किया ऐलान

सुपरस्टार प्रभास अपनी नई फिल्म राधे-श्याम को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अपोजिट पूजा हेगड़े नजर आएंगी। अब मेकर्स ने प्रभास के जन्मदिन पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करने का ऐलान किया है।

प्रभास ने भी इस बात जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है। हाल ही में फिल्म राधे-श्याम से पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक जारी किया गया था। प्रभास ने फर्स्ट लुक शेयर करते हुए लिखा, 'हमारी प्रेरणा, पूजा हेगड़े को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई।' फोटो में पूजा ऑलिव ग्रीन कलर की ड्रेस के ऊपर फ्लोरल ओवरकोट पहने दिखीं और उन्होंने सिर पर स्कार्फ बांध रखा था। फिल्म में प्रभास पाम रीडर की भूमिका में नजर आएंगे वहीं, पूजा के किरदार का नाम प्रेरणा हैं। फिल्म में वह म्यूजिक टीचर का रोल निभा रही हैं। इस फिल्म को तमिल, मलयालम के अलावा हिंदी में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग इस साल की जनवरी में शुरू हुई थी। फिल्म में प्रभास और पूजा हेगडे के अलावा सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, प्रियदर्शी, मुरली शर्मा, साशा छेत्री, कुणाल रॉय कपूर सहित कई अन्य कलाकार शामिल होंगे। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा प्रभास अपनी फिल्म आदिपुरुष को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वह भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, आदिपुरुष में सैफ अली खान विलेन के रोल में होंगे, जिनके किरदार का नाम लंकेश होगा। चर्चा है कि इस फिल्म में अजय देवगन, भगवान शिव के कैरेक्टर में नजर आ सकते हैं।

# कंगना रनौत की फिर बढ़ी मुसीबत, बांद्रा कोर्ट ने दिया एक्ट्रेस के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं और उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कर्नाटक में एफआईर दर्ज होने के बाद अब मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने अभिनेत्री कंगना रणौत के खिलाफ ट्वीट और इंटरव्यू के जरिए सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुन्ना वराली और साहिल अशरफ सैयद नाम के याचिकाकर्ताओं ने अदालत में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें कंगना के ट्वीट को भड़काऊ बताते हुए उनपर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंगना अपने ट्वीट और टीवी चैनलों पर इंटरव्यू के जरिए हिन्दू और मुस्लिम कलाकारों के बीच खाई पैदा कर रही हैं। कोर्ट के इस आदेश और एफआईर दर्ज होने के बाद कंगना की मुसीबत और बढ़ सकती है।

कंगना रनौत पर कसा शिकंजा, किसानों पर ट्वीट को लेकर एफआईआर दर्ज

इससे पहले 13 अक्टूबर को कनार्टक पुलिस ने हाल में केंद्र सरकार की ओर से पारित कृषि कानूनों का विरोध करने वाले लोगों पर कंगना की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। तुमाकुरु पुलिस ने कोर्ट के आदे पर यह मामला दर्ज किया। दरअसल, वकील रमश नायक ने हाल में ट्विटर संदेश में दिये गये कंगना के पोस्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि इससे उनकी भावनाएं आहत हुई और इसके लिए अभिनेत्री के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि कंगना ने 21 सितंबर को जारी अपने ट्वीट में कहा था कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध किया था वही लोग कृषि कानूनों का विरोध कर देश में आतंक का माहौल कायम करना चाहते हैं। तुमाकुरु न्यायालय के निदेर्श पर कंगना के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

# अनिल कपूर इस गंभीर समस्या से पिछले 10 सालों से जूझ रहे थे, अब बिना सर्जरी के हुए ठीक

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर फिटनेस के मामले में युवा एक्टर्स को भी मात दे देते हैं। वह 63 साल की उम्र में भी काफी यंग और फिट लगते हैं। अनिल कपूर ने बताया कि वह पिछले 10 साल से एकिलिस टेंडन की समस्या से जूझ रहे थे, जिससे ठीक होने के लिए डॉक्टर्स उन्हें सर्जरी कराने का सुझाव दे रहे थे लेकिन उन्होंने बिना सर्जरी के ही इस समस्या पर काबू पा लिया है। अनिल कपूर ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है।

अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह स्किपिंग करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मैं पिछले 10 सालों से अकिलिस टेंडन की समस्या से जूझ रहा था। दुनियाभर के डॉक्टर्स ने मुझे इससे निजात पाने के लिए एक मात्र सर्जरी ही उपाय बताया। डॉक्टर मुलर ने बिना सर्जरी के मुझे लंगड़ाने से चलने, दौड़ने और फिर स्किपिंग करने की स्थिति में ला दिया।' बता दें कि पर अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ के साथ जल्द ही एक फिल्म में नजर आएंगे। फिल्ममेकर सुभाष घई, जैकी और अनिल को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म होगी जिसमें जैकी और अनिल पुलिस के रोल में नजर आएंगे। ई-टाइम्स के साथ बाततीच में सुभाष घई ने कहा था, 'हां, हम तीनों मिलकर एक मर्डर मिस्ट्री कॉमेडी फिल्म की प्लानिंग कर रहे हैं। यह फिल्म मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड के बैनर तले बनाई जाएगी और फिल्म का टाइटल 'राम चंद किशन चंद' होगा। जैकी और अनिल दोनों 60 की उम्र में पुलिस की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी इसके लिए काफी एक्साइटेड हैं और अनिल हमेशा की तरह सतर्क है।'

# 'मिर्जापुर 2' के 'कालीन भइया' ने कहा- पिता ने नहीं देखी मेरी एक भी फिल्म, एक्टर ने बताई वजह

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी अपनी वेब सीरीज मिर्जापुर 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज 23 अक्टूबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। पंकज ने बताया कि उनके पिता ने आज तक उनकी कोई फिल्म नहीं देखी है। यहां तक कि उनके गांव वाले घर में आज भी टीवी नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पिता के साथ उनकी कैसी बॉन्डिंग है। स्पॉटबॉय के साथ इंटरव्यू में पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'बाबूजी और मेरे बीच में ज्यादा बातचीत नहीं है। मेरे जीवन में क्या और क्यों चल रहा है, वह बैठकर मुझसे बातें नहीं करते हैं। न उन्होंने मुझे कभी किसी चीज के लिए रोका है। मिर्जापुर सीरीर क्या है उन्हें आइडिया भी नहीं होगा इसका। उन्हें पता नहीं है कि मैं फिल्में करता हूं।' पंकज ने आगे कहा, 'मैं जाता हूं तो बस इतना पूछते हैं तुम्हारा सब ठीक है न? तो मैं बोल देता हूं कि हां सब ठीक है। तो उन्हें कुछ ज्यादा आइडिया नहीं है आज तक उन्होंने मेरी कोई फिल्म थियेटर में नहीं देकी है। कभी-कभार पर कुछ सीन देख लिया किसी ने दिखा दिया तो वह अलग बात है। वह (पिता) टीवी नहीं देखते हैं, उन्हें पसंद नहीं है। मेरे जो गांव मे घर हैं वहां आज भी टीवी नहीं है। मैंने बहुत बार कहा कि टीवी लगवा देता हूं कम से कम मेरी फिल्में देख लेना लेकिन मां और बाबूजी ने बोला नहीं चाहिए।' बताते चलें कि पंकज त्रिपाठी वेब सीरीज मिर्जापुर 2 में कालीन भइया के रोल में नजर आएंगे। सीरीज के पहले सीजन में पंकज के काम को बहुत पसंद किया गया।

# नुसरत भरूचा को शूटिंग के पहले दिन लगी चोट

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा लॉकडाउन के बाद काम पर वापस लौट आई हैं। लेकिन उन्हें पहले दिन ही शूटिंग के दौरान चोट लग गई। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी है। नुसरत भरूचा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं।

पहली फोटो में नुसरत स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करती हुई दिख रही हैं।

उनके कमर पर एक बैंडेज चोट को देखा जा सकता है। उन्होंने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'काम पर वापस और पहले दिन ही इंजर्ड।' इसके बाद उन्होंने अपनी एक और तस्वीर पोस्ट की है, जिसके कैप्शन में लिखा, 'लेकिन मुझे इससे पावर मिलती है।' हालांकि, नुसरत यह नहीं बताया कि उन्हें यह चोट कैसे लगी। मालूम हो कि नुसरत को 'प्यार का पंचनामा' और प्यार का पंचनामा 2 से जबरदस्त पॉप्युलैरिटी मिली। इसके अलावा वह 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से फैन्स का दिल जीत चुकी हैं। नुसरत भरूचा, हंसल मेहता की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में राजकुमार राव के अपोजिट नजर आएंगी।

# जो प्राप्त है, सो पर्याप्त है -पूज्य मोरारी बापू

जूनागढ़ के पुराण प्रसिद्ध पर्वत गिरनार की चोटी पर आयोजित कथा- गान हेतु पूज्य मोरारी बापू जूनागढ़ गिरी तलेटी में पहुंच गए । प्रातः काल सुबह सात बजे भवनाथ महादेव के दर्शन के बाद रघुनाथ द्वार के दर्शन करके प्रभु के समक्ष मानस की पोथी अर्पित की। वहां से डोलीमें बैठकर गिरनार पर्वत की यात्रा का आरंभ किया। गोमुख और अंबाजी मंदिर में दर्शन कर के, मां के सामने रामचरित् मानस की पोथी को रखते हुए बापू ने मत्था टेक कर मां अंबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। और आखिर में गिरनार की चोटी पर गुरु शिखर पर पहूंचकर गुरु दत्तात्रेय की मूर्ति को प्रणाम किया। वहां पोथीजी रखकर फिर गुरु शिखर से नीचे स्थित कमंडल कुंड पहुंचे।

कोरोना की इस महामारी के समय में पूरी सतर्कता और सावधानी रखते हुए, प्रशासन द्वारा निर्देशित किए गए सारे नीति-नियमों का पालन करते हुए, गुरु शिखर पर आज से 'मानस जगदंबा' शीर्षक अंतर्गत रामकथा का गान आरंभ हुआ।

कथा में व्यासपीठ के साथ राजकोट के मनोरथी यजमान श्री जयंतीभाई चांद्रा और जूनागढ़ के मिनराज शैक्षणिक संकुल के संचालक श्री दादू भाई उपस्थित है। व्यासपीठ के साथ संगत के लिए संगीत वृंद के तीन सदस्य उपस्थित है- तबला वादक श्री पंकज भट्ट हारमोनियम एवं बैंजो वादक श्री हितेश गोस्वामी और गायक श्री कीर्तिभाई लिंबानी। इसके अलावा संगीत की दुनिया के श्री नीलेश वावडिया और फोटोग्राफर वीडियो ग्राफर उपस्थित है। वर्तमान समय के अनुरूप यह बिना श्रोता की सूक्ष्म कथा है। विश्व के 170 राष्ट्र में व्यास वाटिका के फ्लावर्स एवं कथा प्रेमियों के लिए आस्था टीवी के माध्यम से कथा लाइव प्रसारित हो रही है। संगीत की दुनिया और चित्रकूट धाम - यूट्यूब के माध्यम से भी कथा श्रवण किया जा सकता है। मोरारी बापू के कुल कथा क्रम की यह 849वीं कथा है। बापू ने आज तक कई दुर्गम स्थानों पर कथा की है।जैसे कि - कैलास, मानसरोवर, राक्षस ताल, नीलगिरी पर्वत पर भूसुंडी सरोवर और अमरनाथ- जैसे क्षेत्रों में मानस कथा का गान हुआ है। लेकिन इनमें से एक भी कथा पर्वत के शिखर पर नहीं गाई गई। यह पहला मौका है, जब गिरनार के सबसे ऊंचे शिखर पर कथा गान हो रहा है। एक और बात यह भी है कि बाकी सभी जगह पर यातायात की कोई न कोई व्यवस्था थी। लेकिन यहां- गिरनार पर्वत पर- गुरु शिखर पहुंचनेके लिए डोली वाले मानव श्रम के अलावा और कोई चारा नहीं है। इसीलिए ऐसे दुर्गम स्थान पर सुविधा खड़ी करना मुश्किल काम है। कथा के यजमान श्री जयंतीभाई चंद्रा ने बापू को संकोच के साथ कहा कि जितनी हो सके इतनी अच्छी व्यवस्था नहीं हो पा रही है। तब बापू ने उत्तर दिया कि - 'जो प्राप्त है वह पर्याप्त है।' बापू के इस सूत्रात्मक प्रत्युत्तर में हमारे जीवन में खुशी भरने का राज छिपा है। 'मानस जगदंबा' का गान आरंभ करते हुए पूज्य बापू ने इस स्थान के दिवंगत गादीपति स्वामी मुक्तानंद गिरी जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।गिरनार क्षेत्र और यहां के सारे साधु संतो को वंदन किया।अवधूत जोगंदर जैसे गिरनार पर्वत और यहां उपस्थित सभी प्रगट- अप्रगट चेतनाओं को वंदन करते हुए बापू ने शारदीय नवरात्र के पावन दिनों में जो अजन्मा है अनादि है, शक्ति है, अविनाशी है और भगवान शंकर के अर्धांग स्वरूप है, ऐसी जगदंबा मां भवानी को केंद्र में रखते हुए रामकथा का गाना आरंभ किया है। विश्व भर के कथा प्रेमी और बापू की व्यास वाटिका के सभी फ्लावर्स रामकथा के रूप में इस अनुष्ठान का शुभ लाभ प्राप्त कर रहे है।

**मनोज जोशी**
**पत्रकार मुंबई तरंग।**

# मुंबई पुलिस के सामने पेश नहीं हुए अर्णब गोस्वामी, टीआरपी घोटाले में एक और गिरफ्तार





मुंबई। रिपब्लिक टीवी के एडीटर इन चीफ अर्णब गोस्वामी शुक्रवार को चैप्टर मामले में मुंबई पुलिस से सामने पेश नहीं हुए। अर्णब के वकील अबाद पोंडा उनकी ओर से कारण बताओ नोटिस का जवाब लेकर पुलिस के सामने पहुंचे। पुलिस का कहना है कि अर्णब ने व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया गया लेकिन उन्हें 24 अक्टूबर को मामले में पेश होने को कहा गया है। पालघर में साधुओं की हत्या और बांद्रा में भीड़ इकट्ठा होने के मामले में एंकरिंग के दौरान भड़काऊ बातें कहने के आरोप में महानगर के दो पुलिस स्टेशनों में दर्ज मामलों में पुलिस ने उनके खिलाफ चैप्टर की कार्रवाई शुरू की है। जिसके तहत अर्णब को पुलिस को 10 लाख का बांड भरकर देना होगा साथ ही लिखित में वादा करना होगा कि भविष्य में वे इस तरह की हरकत नहीं करेंगे। इस मामले में अर्णब को कारण बताओ नोटिस देकर 16 अक्टूबर को वरली विभाग के एसीपी के सामने हाजिर रहने को कहा गया था। वकील के जरिए भेजे गए जवाब में अर्णब ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज किया है। पोंडा ने कहा कि सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है ऐसे में पुलिस इस मामले में इस तरह कारण बताओ नोटिस नहीं जारी कर सकती। आम तौर पर चैप्टर नोटिस इलाके के अपराधियों पर नकेल कसने के लिए भेजा जाता है लेकिन वरली विभाग के एसीपी सुधीर जामबावडेकर ने अर्णब को नोटिस भेजकर पूछा था कि उसके खिलाफ चैप्टर केस में सीआरपीसी की धारा 108 के तहत कार्रवाई क्यों ना की जाए जामबावडेकर ने कहा कि शुक्रवार को अर्णब की व्यतिगत पेशी से छूट की अर्जी स्वीकार कर ली गई है। अगली सुनवाई पर जल्द ही फैसला होगा।

**विशेषाधिकार मामले में चौथा नोटिस**

विशेषाधिकार हनन के मामले में महाराष्ट्र विधानमंडल की ओर से शुक्रवार को अर्णब गोस्वामी को चौथा नोटिस भेजा गई। अर्णब का दावा है कि दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर मिली नोटिस में उन्हें सिर्फ 10 मिनट में यानी 3 बजे विधानभवन में पेश होने को कहा गया है।

इससे पहले महाराष्ट्र सचिवालय की ओर से जारी नोटिस में अर्णब से 16 सितंबर तक मामले में सफाई मांगी गई थी। विधानमंडल के दो दिवसीय सत्र के दौरान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राकांपा प्रमुख शरद पवार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में गोस्वामी के खिलाफ दोनों सदनों में विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया गया था। विधानसभा में शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक ने यह प्रस्ताव पेश किया था। अर्णब ने दावा किया कि राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह ठप पड़ गई है। वहीं विधानमंडल सचिवालय के सचिव राजेंद्र भागवत ने संपर्क करने पर इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

**टीआरपी घोटाले में एक और गिरफ्तार - एजेंसी का पूर्व कर्मचारी है आरोपी**

वहीं पैसे देकर फर्जी तरीके से टीआरपी हासिल करने के मामले में मुंबई पुलिस ने छठी गिरफ्तारी की है। शुक्रवार को मामले में उमेश मिश्रा नाम के आरोपी को महानगर से सटे विरार इलाके से गिरफ्तार किया गया है। दूसरे आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिश्रा का नाम सामने आया। वह भी हंसा रिसर्च का पूर्व कर्मचारी है और दो साल पहले काम छोड़ चुका है। पुलिस के मुताबिक उसे इस बात की जानकारी थी कि टीआरपी मीटर किन-किन घरों में लगा हुआ है। वह रिपब्लिक चैनल देखने के लिए लोगों को पैसे देता था। उसे पैसे कौन देता था, पुलिस इसकी छानबीन करेगी। डीसीपी नंदकुमार ठाकुर ने मिश्रा की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में विशाल भंडारी और बोमपल्ली राव नाम के हंसा के दो पूर्व कर्मचारियों और 'फक्त मराठी' चैनल के मालिक शिरीष शर्मा और :बाक्स सिनेमा' चैनल के मालिक नारायण शर्मा को गिरफ्तार किया था। जबकि बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से विनय त्रिपाठी नाम के हंसा के पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया था। वहीं मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने मीडिया से बातचीत में दावा किया है कि मजिस्ट्रेट के सामने चार लोगों ने बयान देकर खास चैनल देखने के लिए पैसे लेने की बात स्वीकार की है। इनमें से तीन लोगों को रिपब्लिक चैनल देखने के पैसे मिले थे जबकि एक व्यक्ति ने दूसरा चैनल देखने के लिए पैसे मिलने की बात स्वीकार की है।

# महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना, ठाना जिला ग्रामीण के संघर्ष को मिली बड़ी सफलता

**एनईएस इंग्लिश स्कूल ने की 1,44,00,000 फीस माफ**

वैशिक महामारी कोरोना अवधि के दौरान हर कोई वित्तीय संकट से गुजर रहा है। नौकरियों में कमी हो गयी है। सभी तरह के कामधंधे में मंदी आयी है। ऐसे समय में कई स्कूल माता-पिता को स्कूल फीस का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसा ही अनुभव भिवंडी में देखने को मिला। एनईएस स्कूल प्रबंधन ने कोरोना अवधि की पूरी फीस लेने पर आमादा था साथ ही नए सत्र के लिए 15 प्रतिशत की वृद्धि भी कर दी। पालकों के लिए यह निर्णय वङ्कापात की तरह था।

अपनी समस्या को लेकर पालकों ने मनसे के ठाणे जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री संतोष सालवी जी से संपर्क कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। श्री संतोष सालवी जी के नेतृत्व में महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के प्रतिनिधिमंडल ने तारीख 07 सितंबर 2020 को एनईएस स्कूल के हेडमास्टर संजय सर और सचिव श्री असवाले सर से मिल कर इस वर्ष फीस में वृद्धि नहीं करने ल और छात्रों को रियायती दर पर फीस का भुगतान करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। साथ ही स्कूल प्रबंधन से 15 दिनों के भीतर छात्रों के हित में निर्णय लेने की मांग की। लेकिन स्कूल प्रबंधन किसी भी तरह से बढ़ी हुई फीस को कम करने और माता-पिता की वित्तीय कठिनाइयों को समझने के लिए तैयार नहीं था। तब श्री संतोष सालवी जी ने फैसला किया कि माता-पिता की मदद से एनईएस स्कूल के खिलाफ एक तीव्र आंदोलन किया जाएगा। इस बात को लेकर निजामपुर पुलिस स्टेशन को भी एक पत्र सौंपा। इस आंदोलन की खबर से स्कूल प्रशासन हरकत में आया। स्कूल के ट्रस्टी श्री सिंधी सर और सोसायटी के सचिव श्री असवाले सर ने श्री. डीके म्हात्रे जी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ठाना ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री संतोष सालवी से फिर से मिलने और 3 अक्टूबर को होने वाली पीटीए की बैठक में सकारात्मक निर्णय लेने का निर्णय किया। स्कूल ने 3 अक्टूबर को पीटीए की बैठक में एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया था कि इस साल ट्यूशन फीस नहीं बढ़ाई जाएगी और जून, जुलाई और अगस्त के तीन महीनों के लिए ट्यूशन फीस भी माफ कर दी जाएगी। एनईएस इंग्लिश स्कूल ने इस साल फीस में 15इ की वृद्धि भी रद्द कर दी और जून, जुलाई और अगस्त के महीनों के लिए छात्रों की फीस में 3000 की छूट दी है। इस तरह लगभग 4000 छात्रों को लाभ हुआ है और कुल मिला कर फीस 1,44,00,000 माफ कर दी गई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना, ठाणे जिला ग्रामीण और श्री संतोष सालवी जी के लगातार प्रयास के कारण माता पिता को इतनी बड़ी राहत मिली है। श्री संतोष सालवी जी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि आज सभी माता-पिता के चेहरे पर संतुष्टि और खुशी है। उन्होंने एनईएस इंग्लिश स्कूल के ट्रस्टी श्री सिंधी सर और सोसायटी के सचिव श्री असवाल सर का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताया कि शहर के अन्य विद्यालयों भी कोरोना जैसी महामारी के दौरान मानवीय सोच को बढ़ावा देंगे और छात्रों की फीस माफ करेंगे। श्री संतोष सालवी ने कहा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष श्री राजसाहेब ठाकरे लगातार कहते हैं कि हमें हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़े होना चाहिए और संकट के समय लोगों की मदद करनी चाहिए। स्कूल द्वारा माफ किया गया शुल्क केवल श्री राजसाहेब ठाकरे की प्रेरणा के कारण ही संभव हुआ है।

# विदेशों में अंगूर निर्यात करने वाले नाशिक के बागों का होगा रजिस्ट्रेशन

नाशिक। 2020-21 में यूरोपियन यूनियन और अन्य देशों को अंगूर निर्यात करने के लिये पंजीकरण करवाना आवश्यक कर दिया गया है। कीटनाशक के बचे हुए अंश और कीड, रोग का मुआवजा देने के लिये ग्रेपनेट द्वारा निर्याताक्षम अंगूर के बागों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। इच्छुक बागबानों को अपने अंगूर के बागों का पंजीकरण करवाने का आह्वान कृषि विभाग द्वारा किया गया है। निर्याताक्षम बागों का पंजीकरण करने के लिये ग्रेपनेट नामक ऑनलाइन प्रणाली शुरु की गई है। वर्ष 2020-21 के लिये पंजीकरण के लिये तहसील कृषि अधिकारियों के पास आवेदन करने का आह्वान जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी संजीव पडवल, कृषि उपसंचालक कैलाश शिरसाठ ने किया है।

# मौसम की मार से 9 लाख हेक्टेयर की फसल बर्बाद

मुंबई। प्रदेश में खरीफ फसल सीजन में अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति के कारण इस साल बड़े पैमाने पर फसलों का नुकसान हुआ है। अगस्त और सितंबर महीने में अतिवृष्टि, बाढ़ और तुफानी हवाओं के कारण राज्य के 24 जिलों में 8 लाख 99 हजार 961 हेक्टेयर क्षेत्र की फसलों को क्षति पहुंची है। धान, सोयाबीन, तुअर, कपास, ज्वारी, बाजरी, गन्ना, हल्दी, मक्का, उड़द, मूंगफली, केला, अनार, अंगूर, पपीता, मिर्ची, सब्जी और प्याज की फसलें चौपट हुई हैं। राज्य सरकार के कृषि विभाग के प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है। इसके अलावा धान, ज्वारी, मक्का और कपास की फसलों पर कीट लगने के कारण कई जगहों पर नुकसान हुआ है। कृषि विभाग के अनुसार राज्य में 5 अक्टूबर तक 145.42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई हुई है। खरीफ सीजन में फसलों की 96.09 प्रतिशत बुवाई हुई है। पिछले साल इस दौरान 94.11 प्रतिशत बुवाई हुई थी। कृषि विभाग के मुताबिक इस साल नागपुर विभाग में 99.88 प्रतिशत, अमरावती विभाग में 96.66 प्रतिशत, लातूर विभाग में 102.92 प्रतिशत, औरंगाबाद विभाग में 100.40 प्रतिशत, कोल्हापुर विभाग में 100.58 प्रतिशत, पुणे विभाग में 138.27 प्रतिशत, नाशिक विभाग में 96.12 प्रतिशत और कोंकण विभाग में 88.91 प्रतिशत बुवाई हुई है।

# बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने महाराष्ट्र के क्षेत्रीय दलों ने कमर कसी

मुंबई। महाराष्ट्र की क्षेत्रिय राजनीति में दमखम रखने वाली कई पार्टियां बिहार विधानसभा चुनाव में जोर आजमाइश कर रही हैं। महाराष्ट्र की सत्ताधारी और विपक्षी दल के साथ गठबंधन करने वाली पार्टियों की राहें बिहार में अलग-अलग हो गई हैं।

महाराष्ट्रमें सत्ताधारी महाविकास आघाड़ी के तीनों घटक दल बिहार में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि भाजपा के सहयोगी राष्ट्रीय समाज पक्ष (रासपा) और आरपीआई भी अपने दम पर बिहार में ताल ठोक रहे हैं।वहीं महाराष्ट्र के चुनावों में ताकत दिखाने वाली वंचित बहुजन आघाड़ीभी बिहार विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रही हैं। हालांकि इसके पहले के चुनाव परिणाम इन दलों के लिए उत्साहवर्धक नहीं रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी सरकार का प्रमुख घटक दल शिवसेना ने बिहार विधानसभा चुनाव में 50 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। शिवसेना बिहार में अकेले चुनाव लड़ रही है। महाविकास आघाड़ी सरकार की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी राकांपा बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ना चाह रही थी लेकिन आरजेडी और कांग्रेस से बात नहीं बनने के बाद राकांपा ने 145 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने का निर्णय लिया है। दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगीराष्ट्रीय समाज पक्ष (रासपा) बिहार की 30 से 40 सीटों पर उम्मीदवार उतार रही है। जबकि केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले की पार्टी आरपीआई 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आठवले बिहार चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन चाह रहे थे लेकिन आखिर में सहमति नहीं बन पाई। वहीं वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर पूर्व सांसदपप्पू यादव के नेतृत्व वाले प्रगतिशील लोकतांत्रिक गठबंधन (पीडीए) के साथ गठजोड़ करके 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी की है। उम्मीद से बेहतर मिले प्रत्याशी -जानकर

महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय समाजपक्ष (रासपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव में करीब 40 सीटों पर लड़ रही है। रासपा केअध्यक्ष तथा प्रदेश के पूर्व मंत्री महादेवजानकर ने कहा कि हमें लगा था कि बिहार में पार्टी को उम्मीदवार नहीं मिल पाएंगे लेकिनकुछ सीटों पर अच्छे प्रत्याशी मिले हैं। रासपा ने कुछ सीटों पर दूसरे दलों से आए नेताओं को उम्मीदवारी दी है। इसलिए हमें उम्मीद है कि रासपा को गया में एक सीट पर जीत मिल सकती है। जानकर ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के पोस्टर, बैनर और झंडे जैसी प्रचार सामग्री महाराष्ट्र से भेजी जा रही है। महाराष्ट्र के लगभग 100 पदाधिकारी बिहार में भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों की भी मदद ली जा रही है। जानकर ने कहा कि बिहार में यदि रासपा को सफलता मिलती है तो जो गठबंधन हमें सत्ता में हिस्सेदारी देगा, पार्टी उसका समर्थन करेगी। जानकर ने बताया कि वे 22 अक्टूबर को पटना जाएंगे। 30 सीटों पर लड़ेगी वंचित बहुजन आघाड़ी वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के बिहार प्रदेश के प्रवक्ता डॉ. संजय वाल्मीकि ने कहा कि हम लोग 40 से 50 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाले थे लेकिन अचानक विधानसभा चुनाव की घोषणा की गई। इससे वीबीए पूरी तैयारी नहीं कर पाई। अब वीबीए ने 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। वीबीए विधानसभा चुनाव में पटना, मुजफ्फरपुर, सुपौल, सिवान अररिया समेत कई जिलों में उम्मीदवार खड़े करेगी। राकांपा को दो सीटें देने के लिए तैयार नहीं हुई आरजेडी-कांग्रेस

राकांपा के राष्ट्रीय महासचिव के के शर्मा ने कहा कि हमने महाराष्ट्र में जिस तरीके से भाजपा को सत्ता में आने से रोका उसी तरह से बिहार में भाजपा को सत्ता से दूर करना चाहते हैं। इसलिए राकांपा ने आरजेडी और कांग्रेस के साथ गठंबधन करने का प्रयास किया। राकांपा 5 सीटें चाह रही थी। बाद में राकांपा 2 सीटें लेने के लिए भी तैयार हो गई थी लेकिन आरजेडी और कांग्रेस के महागठबंधन ने राकांपा को 2 सीटें भी नहीं दिया। इसलिए राकांपा ने 145 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पिछले चुनाव में नहीं मिला था मतदाताओं का साथ महाराष्ट्र के इन क्षेत्रिय दलों में से शिवसेना, राकांपा व आरपीआई (आठवले) ने 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी अपने उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन इन दलों के सभी उम्मीदवारोंकी जमानत जब्त हो गई थी। शिवसेना ने 73 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे जिसमें से सभी सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। जबकि 41 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली राकांपा के 40 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। चार सीटों पर चुनाव लड़ने वाले रामदास आठवले की पार्टी को कुल 3205 वोट मिले थे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।